सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 293 | जौनपुर, शनिवार, 20 जुलाई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

स्वामी प्रसाद और बेटी संघमित्रा भगोड़ा घोषित

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य को बेटी संघमित्रा मौर्य के साथ भगोड़ा घोषित कर दिया गया है। लखनऊ की एमपी–एमएलए कोर्ट ने दीपक कुमार स्वर्णकार मामले में उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य, उनकी बेटी, बदायूं से पूर्व भाजपा सांसद संघमित्रा मौर्य और तीन अन्य के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 82 के तहत आदेश जारी किया है। एसीजेएम तृतीय एमपी–एमएलए आलोक वर्मा की अदालत ने यह कदम तब उठाया जब मौर्य समेत अन्य आरोपी तीन समन, दो जमानती वारंट और एक गैर जमानती वारंट जारी होने के बावजूद अदालत में उपस्थित नहीं हुए। इस विवादास्पद मामले में पत्रकार दीपक कुमार स्वर्णकार और पूर्व भाजपा सांसद संघमित्रा मौर्य शामिल हैं। इससे पहले मौर्य परिवार ने इस मामले में एमपी– एमएलए कोर्ट के खिलाफ माननीय उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, जस्टिस जसप्रीत सिंह की अदालत ने मौर्य को फटकार लगाते हुए कहा, श्शआपके खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं, आपको एमपी– एमएलए कोर्ट में वापस आना होगा। इसके बावजूद मौर्य परिवार सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां उनकी याचिका को गंभीरता से नहीं लिया गया। वादी दीपक कुमार स्वर्णकार का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता रोहित कुमार त्रिपाठी और राजेश कुमार तिवारी ने अदालत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, हमें विश्वास है कि न्याय तुरंत मिलेगा।

प्रदेश में पारा, 41 के करीब पहुंचा

लखनऊ, संवाददाता। जुलाई का तीसरा सप्ताह है और प्रदेश में मानसून के सुस्त पड़ जाने से अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे लोग मायूस हैं। उमस और गर्मी भी अपना तेवर दिखा रहे हैं। प्रदेश के कई इलाकों में तापमान में बढ़ोतरी से राहत की उम्मीद लगाए लोग परेशान रहे। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक 21 जुलाई से मानसून के अपने सामान्य स्थिति में आने पर प्रदेश में प्रभावी बारिश की उम्मीद है। हालांकि इस बीच कहीं कहीं छिटपुट बारिश से इनकार नहीं किया जा सकता। बृहस्पतिवार को यूपी के कुछ हिस्सों में छिटपुट बारिश हुई। मेरठ में 50 मिमी, हरदोई में 24 मिमी और नजीबाबाद में 12 मिमी. बारिश दर्ज की गई। प्रदेश में अधिकतम तापमान की बात करें तो कानपुर में 40.8 डिग्री, प्रयागराज में 39.8 डिग्री और बस्ती में 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं रात में बस्ती में सबसे कम 24.5 डिग्री सेल्सियस, गाजीपुर में 26 डिग्री, बाराबंकी व फतेहपुर में 26.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

सबसे बड़ा है जन कल्याण - अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में सियासत जबरदस्त तरीके से जारी है। भाजपा में उठापटक की स्थिति है और सपा भगवा पार्टी में फूट का आनंद लेने की कोशिश में है। वही, अखिलेश यादव और केशव प्रसाद मौर्य के बीच वार–पलटवार का दौर देखने को मिल रहा है। आज केशव प्रसाद ने अखिलेश के मानसून ऑफर पर जवाब दिया। इसके बाद एक बार फिर से अखिलेश ने केशव मैर्य पर पलटवार किया है। अखिलेश ने एक्स पोस्ट में कहा कि न संगठन बड़ा होता है, न सरकार। सबसे बड़ा होता है जनता का कल्याण। सपा नेता ने आगे कहा कि दरअसल संगठन और सरकार तो बस साधन होते हैं, लोकतंत्र में साध्य तो जनसेवा ही होती है। जो साधन की श्रेष्ठता के झगड़े में उलझे हैं, वो सत्ता और पद के भोग के लालच में है, उन्हें जनता की कोई परवाह ही नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपाई सत्तान्मुखी है, सेवान्मुखी नहीं! अखिलेश यादव ने मॉनसून ऑफर दिया था जिसमें कहा गया था कि 100 विधायक लाओ और सरकार बनाओ। अब इसी पर केशव मौर्य ने पलटवार किया है। मौर्य ने इसे मुंगेरीलाल के हसीन सपने बताया। केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पोस्ट में दावा किया कि मॉनसून ऑफर को 2027 में 47 पर जनता और कार्यकर्ता फिर समेटेंगे। बिना नाम लिए केशव मौर्य ने सपा को डूबता जहाज बताया। उन्होंने कहा कि एक डूबता जहाज और समाप्त होने वाला दल जिसका वर्तमान और भविष्य खघ्तरे में है। वह मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख सकता है, परंतु पूर्ण नहीं हो सकता। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि 2027 में 2017 दोहरायेंगे, फिर कमल की सरकार बनायेंगे। अखिलेश की ओर से यह प्रस्ताव उत्तर प्रदेश में भाजपा के भीतर बढ़ते तनाव के बीच आया है। यादव की टिप्पणी का उद्देश्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके डिप्टी मौर्य के बीच कथित दरार को भुनाना था। इससे पहले मौर्य ने भी अपने एक बयान में सरकार से ज्यादा पार्टी संगठन की प्रधानता पर जोर दिया था। भाजपा की एक दिवसीय राज्य कार्यसमिति की बैठक के दौरान उन्होंने इस बात पर जोर दिया।

कांवड़ रूट की हर दुकान पर लगाना होगा नेमप्लेट– सीएम

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कांवर यात्रा मार्ग पर सभी भोजनालयों को अपने मालिकों के नाम प्रदर्शित करने का आदेश दिया। यह निर्णय विपक्षी दलों के विरोध के बाद मुजफ्फरनगर में उत्तर प्रदेश की पुलिस द्वारा अपने आदेशों को रद्द करने के एक दिन बाद आया है, जिसमें भोजनालयों के लिए मालिकों के नाम प्रदर्शित करना ष्वैच्छिकष हो गया है। निर्देश के मुताबिक, हर खाने–पीने की दुकान या ठेले वाले को बोर्ड पर मालिक का नाम लिखना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय कांवर यात्रियों की पवित्रता बनाए रखने के लिए लिया गया है। अब, हर भोजनालय, चाहे

वह रेस्तरां हो, सड़क किनारे ढाबा हो, या यहां तक कि खाने की गाड़ी भी हो, उसे मालिक का नाम प्रदर्शित करना होगा। इससे पहले आज उत्तर प्रदेश के मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने आरोप लगाया कि मुस्लिम, हिंदू नामों की आड़ में तीर्थयात्रियों को मांसाहारी भोजन बेचते हैं। मंत्री ने कहा, वे वैष्णो ढाबा भंडार, शाकुंभरी देवी भोजनालय और शुद्ध भोजनालय जैसे नाम लिखते हैं और मांसाहारी भोजन बेचते हैं। 22 जुलाई से शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर पूरे उत्तर प्रदेश में तैयारियां चल रही हैं।

सीएम सैनी ने पीएम से मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा, आज प्रधानमंत्री से मुलाकात हुई। पीएम मोदी ने हरियाणा में चल रहे विकास कार्यों पर चर्चा की है और आने वाले समय में जो कार्य करने हैं उसकी जानकारी भी ली है। प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्र सरकार गरीबों के लिए जो योजनाएं बना रही हैं उसकी भी जानकारी ली है कि जनता तक लाभ पहुंच रहा है या नहीं। आने वाले समय में हरियाणा में विधानसभा चुनाव हैं। आने वाले समय में भी हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में तीसरी बार भारी बहुमत के साथ सरकार बनाएंगे। हरियाणा सीएम ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में तीसरी बार बड़े मैंडेट से हम हरियाणा में बीजेपी की सरकार बनाएँगे। विकास की गति जो 10 साल में बनी है उसको और आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। विकसित राज्य की ओर जो देश बढ़ रहा है। उसमें हरियाणा योगदान देगा। हरियाणा में पिछले 10 सालों में कई बदलाव देखने को मिले हैं। काफी लंबी बातचीत हुई है। काफी अच्छा लगा है। आप के अकेले चुनाव में जाने पर सैनी ने कहा कि एक झूठ का सहारा लेकर साथ हुए थे। उनके अलग विजन है अलग धाराएं हैं, यह एक साथ नहीं चल सकते। गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी (आप) ने बृहस्पतिवार को कहा था कि वह हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

दिल्ली सरकार के स्कूल देश के टॉप स्कूलों में उभरे हैं - आतिशी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार की शिक्षा मंत्री आतिशी ने गुरुवार को दिल्ली सरकार के स्कूलों के प्रिंसिपलों के साथ संवाद किया। कालकाजी के वीर सावरकर सर्वोदय कन्या विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली सरकार और सरकार से सहायता प्राप्त स्कूलों के 200 से अधिक प्रिंसिपलों ने भाग लिया। प्रिंसिपलों ने बताया कि कैसे अनूठे तरीकों को अपनाते हुए उन्होंने अपने स्कूलों में बच्चों के अटेंडेंस को बढ़ाया, व्यक्तिगत रूप से ध्यान देते हुए बच्चों के रिजल्ट में सुधार किया, उनकी आदतों को बदलने का काम किया, टीचर्स को गाइड किया और स्कूल में सीखने–सिखाने का माहौल तैयार किया, पैरेंट्स को बच्चों की पढ़ाई में भागीदार बनाया।

शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि प्रिंसिपल सिर्फ एडमिनिस्ट्रेटर नहीं, बल्कि स्कूल लीडर के रूप में जमीनी स्तर पर बच्चों के जीवन में असल बदलाव लाने का काम करते हैं। प्रिंसिपल होना एक बहुत ही चुनौती भरा कार्य है, लेकिन उनके काम और मेहनत की बदौलत हजारों बच्चों की जिंदगी संवरती है। किसी भी स्कूल में सबसे बड़े बदलाव लाने का काम वहां के प्रिंसिपल ही कर सकते हैं।

दिल्ली सरकार के स्कूलों के प्रिंसिपलों पर अधिक जिम्मेदारी है, क्योंकि हमारे स्कूलों में आने वाले बच्चे शायद सबसे विषम परिस्थितियों से आते हैं और ज्यादातर बच्चे फर्स्ट जनरेशन लर्नर होते हैं। उनके घर में उन्हें पढ़ाई को लेकर सपोर्ट करने वाला कोई नहीं है। ऐसे में उन्हें आगे बढ़ाना, उनके भविष्य को बेहतर दिशा देने की जिम्मेदारी हम सभी की हो जाती है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में दिल्ली सरकार के स्कूलों ने लंबी दूरी तय की है। चाहे इंफ्रास्ट्रक्चर हो या पढ़ने–पढ़ाने का माहौल, हमारे स्कूलों में आए बदलाव से सभी परिचित हैं। ये सभी बदलाव हमारी टीम एजुकेशन की कड़ी मेहनत की बदौलत आया है और इसका परिणाम है कि आज दिल्ली सरकार के स्कूल देश के टॉप स्कूलों में उभरे हैं।

अब हमारा टारगेट अपने स्कूलों को विश्व के टॉप स्कूलों में शामिल करने का होना चाहिए। इस टारगेट को पूरा करने के लिए सभी प्रिंसिपलों को सुनिश्चित करना होगा कि उनके स्कूल में आने वाले हर बच्चे को क्वालिटी एजुकेशन मिले और स्कूल का हर बच्चा बेहतर प्रदर्शन करे। शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नए सत्र में यदि किसी स्कूल में शिक्षक की कमी है।

मॉनसून ऑफर को 2027 में 47 पर समेट देंगें - केशव मौर्य

लखनऊ, संवाददाता। इसमें कोई दोराय नहीं है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के भीतर सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। यही कारण है कि विपक्ष भी इसके मजे ले रहा है। इन सब के बीच उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को अखिलेश यादव ने मॉनसून ऑफर दिया था जिसमें कहा गया था कि 100 विधायक लाओ और सरकार बनाओ। अब इसी पर केशव मौर्य ने पलटवार किया है। मौर्य ने इसे मुंगेरीलाल के हसीन सपने बताया। केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पोस्ट में दावा किया कि मॉनसून ऑफर को 2027 में 47 पर जनता और कार्यकर्ता फिर समेटेंगे। बिना नाम लिए केशव मौर्य ने सपा को डूबता जहाज बताया। उन्होंने कहा कि एक डूबता जहाज और समाप्त होने वाला दल जिसका वर्तमान और भविष्य खघ्तरे में है। वह मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख सकता है, परंतु पूर्ण नहीं हो सकता। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि 2027 में 2017 दोहरायेंगे, फिर कमल की सरकार बनायेंगे। अखिलेश की ओर

से यह प्रस्ताव उत्तर प्रदेश में भाजपा के भीतर बढ़ते तनाव के बीच आया है। यादव की टिप्पणी का उद्देश्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके डिप्टी मौर्य के बीच कथित दरार को भुनाना था। इससे पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यूपी के उपमुख्यमंत्री मौर्य ने अखिलेश पर तंज कसते हुए उन्हें एसपी बहादुर कहा और कहा कि बीजेपी के पास देश और प्रदेश दोनों में एक मजबूत संगठन और सरकार है। इसके साथ ही उन्होंने सपा के पीडीए फॉर्मूले (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्याक) पर निशाना साधते हुए इसे धोखा बताया। केशव प्रसाद मौर्य ने पलटवार करते हुए कहा कि सपा बहादुर अखिलेश यादव, भाजपा की देश और प्रदेश दोनों जगह मजबूत संगठन और सरकार है। सपा का च्क। धोखा है। यूपी में सपा के गुंडाराज की वापसी असंभव है, भाजपा 2027 विधानसभा चुनाव में 2017 दोहरायेगी।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के एक सोशल मीडिया पोस्ट पर चर्चा के बीच, मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने आज कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के भीतर अंदरूनी कलह से तंग आ चुकी है। यह उप मुख्यमंत्री की एक टिप्पणी की पृष्ठभूमि में आया है जिससे अटकलें लगाई जाने लगीं कि उत्तर प्रदेश सरकार के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है।

रेल यात्रियों की सुरक्षा की रणनीति बताए सरकार – राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के गोंडा में ट्रेन हादसे पर चिंता व्यक्त करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार को यात्रियों की सुरक्षा और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए अपनी रणनीति देश के समक्ष रखनी चाहिए। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में बृहस्पतिवार को चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही एक ट्रेन के आठ डिब्बे मोतीगंज तथा झिलाही रेलवे स्टेशनों के बीच पटरी से उतर गये। इस घटना में दो यात्रियों की मौत हो गयी तथा 34 अन्य घायल हो गये। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''उत्तर प्रदेश के गोंडा में चंडीगढ़–डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के पटरी से उतरने से कई यात्रियों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। शोकाकुल परिजनों को अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र से शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अनुरोध ा है कि राहत और बचाव प्रयासों में हर संभव सहायता प्रदान करें।''

उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार हो रही रेल दुर्घटनाएं अत्यंत चिंताजनक हैं और सरकार के कुप्रबंधन और उपेक्षा का परिणाम है। उन्होंने कहा, ''कुछ दिनों पहले हुई लोको पायलट से चर्चा और हाल के ट्रेन हादसों पर रेलवे सुरक्षा कमिशनर की रिपोर्ट भी यही स्पष्ट करती है।'' राहुल गांधी ने कहा, ''सरकार तुरंत इसकी पूर्ण जिम्मेदारी लेते हुए यात्रियों की सुरक्षा और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए अपनी रणनीति देश को बताए।

राष्ट्रपति मुर्मू को चार पुस्तकों की प्रतियां प्राप्त हुईं

नई दिल्ली, एजेसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बृहस्पतिवार को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से चार पुस्तकों की पहली प्रतियां प्राप्त हुईं। इनमें से दो में उनके चुनिंदा भाषण हैं जबकि एक में राष्ट्रपति भवन के इतिहास और वास्तुकला का सचित्र वर्णन है। प्रकाशन निदेशालय द्वारा प्रकाशित इन पुस्तकों का औपचारिक विमोचन आज राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केन्द्र में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री चौहान, सूचना एवं प्रसारण और संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल. मुरुगन तथा सूचना एवं प्रसारण सचिव संजय जाजू द्वारा किया गया। आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि राष्ट्रपति को राष्ट्रपति भवन में चौहान से चार पुस्तकों – 'विंग्स टू अवर होप्स', 'आशाओं की उड़ान', 'कहानी राष्ट्रपति भवन की' और 'राष्ट्रपति भवनरू हेरिटेज मीट्स द प्रेजेंट' की पहली प्रतियां प्राप्त हुईं। इस अवसर पर मुरुगन और प्रकाशन प्रभाग निदेशालय तथा सूचना एवं प्रसारण विज्ञप्ति में कहा गया कि 'विंग्स टू अवर होप्स' और 'आशाओं की उड़ान' पुस्तकें राष्ट्रपति मुर्मू के राष्ट्रपति पद के पहले वर्ष के दौरान दिए गए चुनिंदा भाषणों का संग्रह हैं। राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि 'कहानी राष्ट्रपति भवन की' बच्चों के लिए एक पुस्तक है जिसमें रोचक तरीके और सरल में राष्ट्रपति भवन तथा राष्ट्रपति मुर्मू के बारे में जानकारी शामिल है। इसमें कहा गया कि 'राष्ट्रपति भवनरू हेरिटेज मीट्स द प्रेजेंट राष्ट्रपति भवन के इतिहास और वास्तुकला का एक सचित्र प्रतिनिधित्व है।

नीति आयोग की बैठक में शामिल होगी ममता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और केंद्र की मोदी सरकार के बीच रिश्ते बहुत कम ही सहज नजर आया है। ममता लगातार मोदी सरकार की कड़ी आलोचक बनी हुई हैं। साथ ही साथ केंद्र की सरकार पर बंगाल से भेदभाव का भी आरोप लगाती हैं। इन सब के बीच खबर यह है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के अगले सप्ताह नई दिल्ली में होने वाली नीति आयोग की बैठक में शामिल हो सकती हैं। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्यों कई मौके पर वह इस बैठक से दूर ही रही हैं। साथ ही साथ इसपर सवाल भी खड़े किए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि ममता के 25 जुलाई को राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना होने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 जुलाई को नीति आयोग की नौवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। अधिकारी ने कहा कि बैठक में बनर्जी राज्य को राशि का भुगतान करने और ग्रामीण आवास तथा मनरेगा के लिए धन राशि के भुगतान का मुद्दा उठा सकती हैं। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख नयी दिल्ली में

केंद्रीय बकाया और ग्रामीण आवास और मनरेगा के लिए धन का मुद्दा उठा सकती हैं। बैठक में बनर्जी राज्य के लिए बकाया केंद्रीय अपने प्रवास के दौरान पार्टी सांसदों और विपक्षी दल 'इंडिया' के घटक दलों के अन्य वरिष्ठ नेताओं से भी मिल सकती हैं।

संकल्प पत्र के वादे को पूरा करेगी राजस्थान सरकार – सीएम

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संकल्प पत्र के प्रत्येक वादे को पूरा करेगी। वह यहां मुख्यमंत्री निवास पर लालसोट विधानसभा क्षेत्र के निवासियों की आभार सभा को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अंत्योदय की अवधारणा का पालन करते हुए अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के लिए योजनाओं– कार्यक्रमों का संचालन कर रही है। उन्होंने आह्वान किया कि लोग जरूरतमंद को लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने में मदद कर अपने नागरिक कर्तव्यों को निभाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संकल्प पत्र एवं बजट की प्रत्येक घोषणा को क्रियान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के पहले ही बजट में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में हर वर्ग को राहत देने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा ,''हम केवल चुनावी घोषणा ही नहीं करेंगे बल्कि योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन भी सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने आश्वस्त किया, जिन कार्यों का शिलान्यास हम करेंगे उनका उद्घाटन भी हमारी सरकार द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का 2024–25 का परिवर्तित बजट प्रत्येक क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिससे विकास का रोडमैप तैयार हो। तथा विकसित राजस्थान संकल्प की सिद्धि की जा सके।

संपादकीय

समाज के प्रति उनका दायित्व

मुंबई में हुई शादी की धूम–धाम जिसने दुनिया भर के मीडिया को इतना उत्साहित कर दिया था, शायद कभी नहीं होती अगर 1991 में भारत के वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने तत्कालीन प्रधानमंत्री से यह न कहा होता कि लोग उन पर विदेशी हितों को बेचने का आरोप लगा रहे हैं। पी.वी. नरसिंह राव ने शुष्क जवाब दियारू "आखिर कौन इस देश को खरीदना चाहेगा?"भारत के अरबपति राज की चमक–दमक की पृष्ठभूमि को देखते हुए, ममता बनर्जी के लिए यह घोषणा करने का कोई कारण नहीं था कि वह अंबानी–मर्चेंट की शादी में "शायद न जाती" "लेकिन नीता जी से लेकर मुकेश जी तक पूरा परिवार मुझसे बार–बार आने का अनुरोध कर रहा था, इसलिए मैं जा रही हूँ"। हर कोई यह मान रहा होगा कि पश्चिम बंगाल की तेजतर्रार मुख्यमंत्री नहीं जातीं अगर उनके पद के कारण सभी शिष्टाचार का पालन न किया जाता। इसके अलावा, सुश्री बनर्जी का मुंबई में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) समूह के उद्धव ठाकरे जैसे राजनीतिक सहयोगियों के साथ कारोबार था। फिर किसी तरह के औचित्य की क्या जरूरत है? एक कारण तो पैसे के प्रति फैशनपरस्त घृणा है, जिसने डॉ. सिंह की शंकाओं को जन्म दिया, जबकि उन्होंने वेल्थ टैक्स को खत्म करने और अन्य सुधारों की अगुआई करने पर गर्व किया, जिससे अजीम प्रेमजी का उभरना संभव हुआ। पैसे के प्रति जटिल रवैया सिर्फ भारतीयों तक ही सीमित नहीं है। बाइबिल में ईसा मसीह के हवाले से कहा गया है कि ष्एक अमीर आदमी के लिए ईश्वर के राज्य में प्रवेश करना आसान है, लेकिन एक ऊँट के लिए सुई के छेद से निकल जाना आसान हैष्। कुरान में भी कुछ ऐसी ही टिप्पणी की गई है। यहाँ, हालाँकि मोहनदास करमचंद गांधी ने गरीबों पर विस्तार से बात की है, और सरोजिनी नायडू द्वारा गांधीजी को गरीबी में रखने की कीमत के बारे में व्यंग्य के बावजूद, गरीबों पर उनकी तीखी टिप्पणियों से पता चलता है कि वे उनकी आकांक्षाओं को पूरी तरह समझते थे। गरीबी के इसी पहलू पर डॉ. सिंह ने 1991 में वित्त विभाग स्वीकार करने के कुछ ही घंटों के भीतर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के प्रबंध निदेशक मिशेल कैमडेसस से बात की थी। श्री कैमडेसस मदद करने के लिए तैयार थे, लेकिन उन्होंने रुपये को यथार्थवादी स्तर पर स्थिर करने के साथ अर्थव्यवस्था के समयबद्ध सुधार पर जोर दिया। उनकी चिंता समझ में आती थी, क्योंकि सरकारी खजाने को तीन महीनों में दूसरी बार वित्तीय संकट का सामना करना पड़ा था, जिसका मुख्य कारण खाड़ी युद्ध था। विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 1.1 बिलियन डॉलर रह गया था – जो दो सप्ताह के आयात के लिए पर्याप्त था। नई दिल्ली अपने कुछ राजनयिक मिशनों को बंद करने और दूतावास की संपत्तियों को बेचने पर विचार कर रही थी। इसने वेनेजुएला से तेल मांगा था और ब्रिजिंग लोन लेने के लिए एक विदेश सेवा निदेशक को वाशिंगटन भेजा था। जुलाई तक, विदेशी ऋण, जो 1980 में 20.5 बिलियन डॉलर था, बढ़कर 70 बिलियन डॉलर हो गया था। इसके अलावा, भारत पर लगभग 4 बिलियन डॉलर की अल्पकालिक देनदारियाँ थीं। भारत का प्रवासी समुदाय विदेशी चीनी लोगों से बहुत अलग साबित हुआ। जब हालात अच्छे थे, तब इसने भारत में निवेश किया, लेकिन जब समय बदला तो इसने हाथ खींच लिए, खाड़ी युद्ध और 1991–92 की राजनीतिक उथल–पुथल के दौरान इसने 2 बिलियन डॉलर निकाल लिए। डॉ. सिंह द्वारा प्रधानमंत्री के रूप में चंद्रशेखर द्वारा लंदन और टोक्यो भेजे गए सोने को वापस लाने के फैसले का एक पुनर्स्थापनात्मक प्रभाव पड़ा। उन्होंने समानांतर अर्थव्यवस्था में अघोषित नकदी में से कुछ को वापस प्रचलन में लाने की भी कोशिश की – जीडीपी का 21 प्रतिशत, जिसका अर्थ है कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी के अनुसार, 800,000 मिलियन रुपये (1992 की विनिमय दर पर +26,700 मिलियन) से अधिक का वार्षिक उत्पादन। रुपये का 25 प्रतिशत अवमूल्यन किया गया, और विदेशी व्यापार को प्रतिबंधित करने वाले नियमों को 850 पृष्ठों से घटाकर 87 कर दिया गया। अन्य मितव्ययिता उपायों ने मुद्रास्फीति को 15.7 प्रतिशत से घटाकर 13.4 प्रतिशत कर दिया आज की भाजपा के विपरीत, पार्टी ने इसकी प्रशंसा में कोई कसर नहीं छोड़ी और महासचिव गोविंदाचार्य ने कहा कि नरसिंह राव–मनमोहन सिंह सरकार ने पिछले 43 वर्षों में पिछली सरकारों की तुलना में एक महीने में अधिक क्रांतिकारी कदम उठाए हैंष। इन उपायों के लिए मंजूरी राजीव गांधी के 1991 के चुनाव घोषणापत्र की सामान्य बातों से मिली थी। इसमें फिजूलखर्ची को खत्म करने, बैंकों को विदेशी फंड जुटाने के लिए प्रोत्साहित करने, सेवा उद्योगों का विस्तार और मजबूती करने, विदेशी निवेश और प्रौद्योगिकी को आमंत्रित करने, टोल राजमार्गों और पुलों का निर्माण करने और ष्सुस्त, अक्षम और महंगेष सार्वजनिक क्षेत्र को ष्अधिक दुबला, अधिक गतिशील और लाभ–उन्मुखष से बदलने जैसे वादे शामिल थे। यदि अमेरिकी दबाव ने उदारीकरण को प्रेरित किया, तो यह उदारीकरण ही था जिसने अमेरिकी निवेश को आकर्षित किया। मुर्गी और अंडे के संबंध को स्वीकार करते हुए, विदेश मंत्रालय की 1991–92 की रिपोर्ट में कहा गया कि ष्भारत की उदार आर्थिक नीतियों ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ दीर्घकालिक पारस्परिक रूप से लाभकारी आर्थिक साझेदारी की नई संभावनाएं खोली हैंष। यही भारत का एजेंडा था। सुधारों से जुलाई 1991 और अगस्त 1992 के बीच 350 मिलियन डॉलर का अमेरिकी निवेश हुआ, जबकि पिछले 44 वर्षों के दौरान 650 मिलियन डॉलर का निवेश हुआ था।

ईश्वर-तुल्य गुरु जीवन को नया घाट देते

ललित

गुरु पूर्णिमा का भारतीय संस्कृति सर्वोपरि महत्व है, यह गुरु–पूजन का पर्व है। सन्मार्ग एवं सत–मार्ग पर ले जाने वाले महापुरुषों के पूजन का पर्व, जिन्होंने अपने त्याग, तपस्या, ज्ञान एवं साधना से न केवल व्यक्ति को बल्कि समाज, देश और दुनिया को भवसागर से पार उतारने की राह प्रदान की है। गुरु एक ऊर्जा है, एक शक्ति है। भारतीय लोकचेतना में सत्य की ओर गति कराने एवं जीवन को जीवंतता देने वाले गुरु को ईश्वर माना गया है। इसीलिये पर्वों, त्यौहारों और उत्सवों की श्रृंखला में गुरु पूर्णिमा का सर्वोपरि महत्व माना गया है। यह अध्यात्म–जगत विशेषतः सनातन धर्म का महत्वपूर्ण उत्सव है, इसे अध्यात्म जगत की बड़ी घटना के रूप में जाना जाता है। आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहा जाता है, हिन्दू धर्म की मान्यता के अनुसार इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था, इसलिये इसे व्यास पूर्णिमा भी कहते है। इस दिन से ऋतु परिवर्तन भी होता है। इसदिन शिष्य अपने गुरु की पूजा करते हैं और अपने गुरु को यथाशक्ति दक्षिणा, पुष्प, वस्त्र, उपहार आदि भेंट करते हैं। पश्चिमी देशों में गुरु का कोई महत्व नहीं है, वहां विज्ञान और विज्ञापन का महत्व है परन्तु भारत में सदियों से गुरु का महत्व रहा है। यहां की माटी एवं जनजीवन में राह दिखाने वाले दीपक होते हैं ईश्वरतुल्य गुरु, क्योंकि गुरु न हो तो ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग कौन दिखायेगा? गुरु ही शिष्य का मार्गदर्शन करते हैं और वे ही जीवन को ऊर्जामय बनाते हैं। गुरु पूर्णिमा का त्योहार गुरु–शिष्य के आत्मीय संबंधों को सचेतन व्याख्या देता है। काव्यात्मक भाषा में कहा गया है– गुरु पूर्णिमा के चांद जैसा और शिष्य आषाढ़ी बादल जैसा। गुरु के पास चांद की तरह जीए गये अनुभवों का अक्षय कोष होता है। इसीलिये इस दिन गुरु की पूजा की जाती है

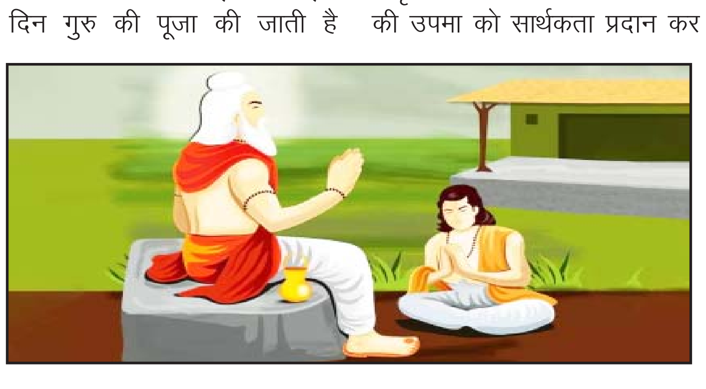

इसलिए इसे 'गुरु पूजा दिवस' भी कहा जाता है। 'आचार्य देवोभवः' का स्पष्ट अनुदेश भारत की पुनीत परंपरा है और वेद आदि ग्रंथों का अनुपम आदेश है। ऐसी मान्यता है कि हरिशयनी एकादशी के बाद सभी देवी–देवता चार मास के लिए सो जाते है। इसलिए हरिशयनी एकादशी के बाद पथ प्रदर्शक गुरु की शरण में जाना आवश्यक हो जाता है। परमात्मा की ओर संकेत करने वाले गुरु ही होते है। गुरु की सन्निधि, प्रवचन, आशीर्वाद और अनुग्रह जिसे भी भाग्य से मिल जाए उसका तो जीवन कृतार्थता से भर उठता है। क्योंकि गुरु बिना न आत्म–दर्शन होता और न परमात्म–दर्शन। गुरु भवसागर पार पाने में नाविक का दायित्व निभाते हैं। वे हितचिंतक, मार्गदर्शक, विकास प्रेरक एवं विघ्नविनाशक होते हैं। उनका जीवन शिष्य के लिये आदर्श बनता है। उनकी सीख जीवन का उद्देश्य बनती है। अनुभवी आचार्यों ने भी गुरु की महत्ता का प्रतिपादन करते हुए लिखा है– गुरु यानी वह अर्हता जो अंधकार में दीप, समुद्र में द्वीप, मरुस्थल में वृक्ष और हिमखण्डों के बीच अग्नि की उपमा को सार्थकता प्रदान कर सके। हमारी प्राचीन गुरुकुल परम्परा एवं गुरुकुल संस्कृति ने महर्षि, तपस्वी, राष्ट्रभक्त, चक्रवर्ती सम्राट और जगद्गुरु तक के सुयोग्य महापुरुष उपलब्ध कराए हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने भी गुरु महिमा को सर्वोपरि माना है। जनकपुरी में ऋषि विश्वामित्र की सेवा इसका प्रमाण है। भारतीय संस्कृति में गुरु आश्रय रहित व्यक्ति को अत्यंत हेय माना गया है। हमारे देश के ऋषि–महर्षि, तीर्थंकर और महात्मा गौतम बुद्ध, महावीर जैसी दिव्य विभूतियों ने गुरु पद से अपने उपदेशों से उदार भावना स्थापित की। भौतिकवादी युग में गुरु के प्रति आस्था में न्यूनता आई है, जिसके परिणाम स्वरूप जीवन में अशांति, असुरक्षा और मानवीय गुणों का अभाव हो रहा है। गुरु पूर्णिमा के मौके पर वे लोग परेशान होते हैं जिनके कोई गुरु नहीं हैं कि वे किसकी पूजा करके आशीर्वाद प्राप्त करें। ऐसे लोगों की चिंता का समाधान तुलसीदासजी ने हनुमान चालीसा में किया है कि ...जै जै जै हनुमान गोसाई, कृपा करहु गुरुदेव की नाई। उन्होंने कहा है कि अगर किसी का गुरु नहीं है तो वह हनुमानजी को अपना गुरु बना सकता है। श्री गुरु चरण के स्मरण मात्र से ही आत्मज्योति का विकास हो जाता है। भारतीय संस्कृति में गुरु पद को सर्वोपरि माना गया है। गुरु एक तरह का बांध है जो परमात्मा और संसार के बीच और शिष्य और भगवान के बीच सेतु का काम करते हैं। इन गुरुओं की छत्रछाया में से निकलने वाले कपिल, कणाद, गौतम, पाणिनी आदि अपने विद्या वैभव के लिए आज भी संसार में प्रसिद्ध है। गुरुओं के शांत पवित्र आश्रम में बैठकर अध्ययन करने वाले शिष्यों की बुद्धि भी तद्नुकूल उज्ज्वल और उदात्त हुआ करती थी। पाठ्य पुस्तकों में कुछ नीतिपरक श्लोकों को जोड़ने अथवा बच्चों को तोते की तरह गायत्री मंत्र रटाने या अंग्रेजी शैली में योग को 'योगा' करने से न तो चरित्र निर्माण होता है और न भावी पीढ़ी में ज्ञान का हस्तांतरण ही संभव है। ज्ञान तो गुरु से ही प्राप्त हो सकता है लेकिन गुरु मिलें कहां? अब तो ट्यूटर हैं, टीचर हैं, प्रोफेसर हैं पर गुरु नदारद हैं। आज नकली, धूर्त, ढोंगी, पाखंडी, साधु–संन्यासियों और गुरुओं की बाढ़ ने असली गुरु की महिमा को घटा दिया है। असली गुरु की पहचान करना बहुत कठिन हो गया है। भगवान से मिलाने के नाम पर, मोक्ष और मुक्ति दिलाने के नाम पर, कुण्डलिनी जागृति के नाम पर, पाप और दुःख काटने के नाम पर, रोग–व्याधियां दूर करने के नाम पर और जीवन में सुख और सफलता दिलाने के नाम पर हजारों धोखेबाज गुरु पैदा हो गये हैं जिनको वास्तव में कोई आध्यात्मिक उपलब्धि नहीं है। जो स्वयं आत्मा को नहीं जानते वे दूसरों को आत्मा पाने का गुर बताते हैं। तरह–तरह के प्रलोभन देकर धन कमाने के लिए शिष्यों की संख्या बढ़ाते हैं। जिसके बाड़े में जितने अधिक शिष्य हों वह उतना ही बड़ा और सिद्ध गुरु कहलाता है। मूर्ख भोली–भाली जनता इनके पीछे–पीछे भागती है और दान–दक्षिणा देती है। ऐसे धन–लोलुप अज्ञानी और पाखंडी गुरुओं से हमें सदा सावधान रहना चाहिए। कहावत है कि 'पानी पीजै छान के और गुरु कीजै जान के।' योग दर्शन नामक पुस्तक में भगवान श्रीकृष्ण को जगतगुरु कहा गया है क्योंकि महाभारत के युद्ध के दौरान उन्होंने अर्जुन को कर्मयोग का उपदेश दिया था। माता–पिता केवल हमारे शरीर की उत्पत्ति के कारण है लेकिन हमारे जीवन को सुसंस्कृत करके उसे सर्वांग सुंदर बनाने का कार्य गुरु या आचार्य का ही है। पहले गुरु उसे कहते थे जो विद्यार्थी को विद्या और अविद्या अर्थात आत्मज्ञान और सांसारिक ज्ञान दोनों का बोध कराते थे लेकिन बाद में आत्मज्ञान के लिए गुरु और सांसारिक ज्ञान के लिए आचार्य–ये दो पद अलग–अलग हो गए। भारत के महान् दार्शनिक ओशो ने जब यह कहा कि हमारी शिक्षण संस्थाएं अविद्या का प्रचार कर रही हैं तो लोगों ने आपत्ति की लेकिन वे बात सही कह रहे थे। आज हमारे विद्यालयों में ज्ञान का नहीं बल्कि सूचनाओं का हस्तांतरण हो रहा है। विद्यार्थियों का ज्ञान से अब कोई वास्ता नहीं रहा इसलिए आज हमारे पास डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, न्यायाधीश, वैज्ञानिक और वास्तुकारों की तो एक बड़ी भीड़ जमा है लेकिन ज्ञान के अभाव में चरित्र और चरित्र के बिना सुंदर समाज की कल्पना दिवास्वप्न बन कर रह गई है। गुरु के प्रति अविचल आस्था ही वह द्वार है जिससे ज्ञान का हस्तांतरण संभव है। हमें इन तथ्यों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। यह सत्य है कि आज हम जिस सामाजिक और आर्थिक परिवेश में सांस ले रहे हैं वहां इन पुरानी व्यवस्थाओं की चर्चा निरर्थक हैं परंतु इनके सार्थक और शाश्वत अंशों को तो हम ग्रहण कर ही सकते हैं। सच्चा गुरु ही भगवान तुल्य है। इसीलिए कहा गया है कि 'गुरु–गोविंद दोऊ खड़े काके लागूं पांय, बलिहारी गुरु आपनो जिन गोविंद दियो मिलाय।' यानी भगवान से भी अधिक महत्व गुरु को दिया गया है। यदि गुरु रास्ता न बताये तो हम भगवान तक नहीं पहुंच सकते। अतः सच्चा गुरु मिलने पर उनके चरणों में सब कुछ न्यौछावर कर दीजिये। उनके उपदेशों को अक्षरशः मानिये और जीवन में उतारिये। सभी मनुष्य अपने भीतर बैठे इस परम गुरु को जगायें क्योंकि गुरु जीवन को नया घाट देते हैं। यही गुरु–पूर्णिमा की सार्थकता है तथा इसी के साथ अपने गुरु का भी सम्मान करें।

ताकि विकास दर का फायदा सबको मिले

डॉ. पीएस

तेईस जुलाई को प्रस्तुत होने जा रहे मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले पूर्ण बजट में पिछले दो कार्यकालों की आर्थिक नीतियों की छाप देखने को मिल सकती है। अनुमान है कि बजट पूंजीगत खर्चों व जन कल्याण की योजनाओं के मध्य एक व्यवस्थित ढांचा खड़ा करने की कोशिश करेगा, ताकि देश को जीडीपी की वृद्धि के साथ प्रति व्यक्ति आय में भी तेजी दी जा सके। बजट के इतर, अगर देश की आर्थिक प्रगति को मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकालों के साथ जोड़कर देखें, तो तीन पक्षों पर काम अत्यंत प्रशंसनीय है। पहला, जीएसटी के माध्यम से कर संग्रहण में अभूतपूर्व वृद्धि। दूसरा, बैंकिंग क्षेत्र में आई तेजी। तीसरा, स्टॉक मार्केट में घरेलू निवेशकों का तेजी से निवेश को बढ़ाना। इन तीनों पक्षों पर कई आंकड़े मोदी सरकार की वाहवाही करते हैं। लगता है कि मोदी सरकार अब इन तीनों पक्षों पर अधिक श्रेय लेने को तैयार नहीं है। इसके पीछे दो प्रमुख कारण हो सकते हैं। एक, महंगाई व बेरोजगारी के चलते 2024 के चुनाव में मोदी सरकार अपने बल पर बहुमत में नहीं आ पाई। दूसरा, देश को अब ऐसे आर्थिक मैकेनिज्म की जरूरत है, जिसमें आर्थिक सुधारों के माध्यम से होने वाली प्रगति में किसी भी प्रकार की कोई लीकेज न रहे, अन्यथा आर्थिक प्रगति एक बुलबुला बन जाती है और जिसके फूटने का डर हमेशा बना रहता है और जब यह फूटता है, तब अप्रत्याशित भी नहीं होता। पिछले सात वर्षों में जीएसटी के माध्यम से भारत में कर संग्रहण में 170 फीसदी की औसतन वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि बहुत अधिक सकारात्मक दिखती है। यह भी एक सच्चाई है कि जीएसटी के चलते महंगाई बढ़ी है और छोटे व्यापारों को नुकसान हुआ है। दीर्घकालीन सोच के मद्देनजर जीएसटी का निर्णय भारत के लिए बहुत अच्छा है, लेकिन बेरोजगारी के बढ़ते आंकड़े सवाल करते हैं कि इतने अधिक कर के संग्रहण के बावजूद राजस्व घाटा क्यों? नौकरियों में अधिक भर्तियां क्यों नहीं? दिसंबर 2023 तक 20 से 24 वर्ष की आयु के 44 प्रतिशत युवा और 25 से 29 वर्ष के 14 प्रतिशत युवा बेरोजगार थे। बैंकिंग क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों से काफी तेजी आई है। जेएएम योजना (जन–धन, आधार, मोबाइल) के माध्यम से बैंकिंग क्षेत्र का विस्तार और इसके माध्यम से मिलने वाली सुविधाओं को आमजन तक प्रत्यक्ष रूप से पहुंचना रहा है। लेकिन कुछ समय से व्यक्तिगत ऋण के मुद्दे पर आरबीआई द्वारा बैंकों व एनबीएफसी को सचेत किया जा रहा है कि व्यक्तिगत ऋण पर नियंत्रण किया जाए। वरना बैंकिंग क्षेत्र में जोखिम बढ़ सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2014 से दिसंबर, 2023 तक बैंकों का व्यक्तिगत ऋण 16 से बढ़कर करीब 30 फीसदी तक पहुंच गया है। हैरान करने वाली बात यह भी है कि औद्योगिक घरानों को मिलने वाले ऋण में काफी कमी आई है। शुरुआत में बैंकिंग ऋण का तकरीबन 46 प्रतिशत हिस्सा इस क्षेत्र को जाता था, जो अब 24 फीसदी के आसपास है। इसका सबसे अधिक असर एमएसएमई सेक्टर में देखने को मिला है। तीसरा मुख्य पक्ष, 10 वर्षों में स्टॉक बाजार में अप्रत्याशित वृद्धि और घरेलू निवेशकों का बढ़ता हुआ विश्वास है। 26 मई, 2014 से 16 जुलाई, 2024 तक सेंसेक्स 24000 से बढ़कर 80 हजार पर पहुंच गया और निफ्टी 7000 से बढ़कर 24000 पर पहुंच गई है, क्योंकि बीते कुछ वर्षों से भारत के घरेलू निवेशकों का विश्वास पूंजी बाजार के प्रति तेजी से बढ़ा है। वर्ष 2023 में घरेलू निवेशकों ने तकरीबन 22.5 अरब डॉलर का वित्तीय निवेश भारतीय पूंजी बाजार में किया, जो कि चालू कैलेंडर वर्ष 2024 की पहली छमाही में 28.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। पिछले दस वर्षों में म्यूचुअल फंड के माध्यम से घरेलू निवेश दो लाख करोड़ से बढ़कर मई, 2024 तक 28 लाख करोड़ हो गया है। इन सब के बीच में यह भी देखने को मिला है कि अब निवेशकों का मुख्य आकर्षण एफएंडओ ऑप्शन में खरीदारी व बिक्री करना हो गया है। इसके चलते स्मॉल कैप मिड कैप की छोटी कंपनियां घरेलू निवेश से वंचित हो रही हैं, जो कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए उचित नहीं है, क्योंकि इसके चलते भारतीय पूंजी बाजार निवेश के बजाय सट्टे की परिकल्पना को पूरा करता हुआ दिखेगा, इसीलिए बीते दिनों सेबी ने इस पर कुछ नए नियम बनाए हैं।

नौकरियों में स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण अनिवार्य

आदित्य

कुछ घंटों में ही बिल की वैधता में बहुत बड़ा अंतर आ जाता है। कर्नाटक राज्य के उद्योगों, कारखानों और अन्य प्रतिष्ठानों में स्थानीय उम्मीदवारों को रोजगार देने संबंधी बिल, जिसमें निजी क्षेत्र में कई तरह की नौकरियों को केवल कन्नड़ लोगों के लिए आरक्षित करने की बात कही गई थी, को कांग्रेस कैबिनेट की मंजूरी मिल गई थी, लेकिन उद्योग जगत के नेताओं और भारत की शीर्ष तकनीकी संस्था नैसकॉम की तीखी प्रतिक्रिया के कारण कुछ ही घंटों में इसे रोक दिया गया। यह आक्रोश जायज है। अन्य परेशान करने वाले प्रावधानों के अलावा, बिल में प्रबंधकीय नौकरियों में 50:, गैर–प्रबंधन रोजगार में 75: और अकुशल नौकरियों में 100: उन लोगों के लिए आरक्षित करने की बात कही गई है जो या तो कर्नाटक में पैदा हुए हैं या 15 साल से उस राज्य में रह रहे हैं, कन्नड़ में बोल, पढ़ और लिख सकते हैं और एक नोडल एजेंसी द्वारा आयोजित अभी तक घोषित पात्रता परीक्षा में सफल हो सकते हैं। बिल में कहा गया है कि यह कोटा न केवल सूचना प्रौद्योगिकी और आईटी–सक्षम क्षेत्रों पर लागू होगा, बल्कि लिपिक, संविदा और आकस्मिक श्रमिकों पर भी लागू होगा। कर्नाटक इस तरह के प्रतिगामी उपायों का प्रयोग करने वाला पहला राज्य नहीं है। झारखंड, आंध्र प्रदेश और हरियाणा ने भी इसी तरह के कानून बनाए हैं। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने हरियाणा के इस कदम को स्पष्ट रूप से भेदभावपूर्ण बताते हुए उसके अदूरदर्शी दुस्साहस को खारिज कर दिया था। आंध्र प्रदेश और झारखंड द्वारा पारित कानूनों को भी कड़ी कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इस तरह के गलत दिशा में जाने वाले, चुनिंदा कल्याणकारी कदमों ूमसतिम उमेंनतमे को बढ़ावा देने वाली चीज, निश्चित रूप से, भारतीय राजनीति की सबसे बड़ी बुराई है – बेधड़क लोक लुभावनवाद। सभी तरह के राजनीतिक दलों द्वारा इस तरह के प्रतिगामी लोकलुभावनवाद की खोज ही निर्वाचित सरकारों को नैतिक लाल रेखाओं को पार करने के प्रति अपनी आँखें बंद करने पर मजबूर करती है। लेकिन स्पष्ट पक्षपात – समानता एक संवैधानिक रूप से संरक्षित सिद्धांत है – यहाँ एकमात्र मुद्दा नहीं है। इस देश में रोजगार सृजन के मामले में सरकारों का रिकॉर्ड खराब है। इससे रोजगार सृजन का दायित्व निजी क्षेत्र पर असमान रूप से पड़ता है। निजी क्षेत्र को ऐसे कानूनों से लादना जो उसकी कार्यकुशलता, उत्पादकता और रोजगार सृजन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने की संभावना से कहीं अधिक है, विवेकपूर्ण नहीं कहा जा सकता। फिर भी कर्नाटक की कांग्रेस सरकार चुनावी लाभ की उम्मीद में इन चूकों को करने के लिए इच्छुक दिखती है। इसके अतिरिक्त, कोटा राज लागू होने से लालफीताशाही, भ्रष्टाचार और भाई–भतीजावाद की स्थिति और खराब हो सकती है।

अन्नाद्रमुक के सामने अस्तित्व का संकट

राजगोपालन

तमिलनाडु में अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) अपने अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है। वर्ष 1972 में एमजी रामचंद्रन द्वारा स्थापित पार्टी, जिसे बाद में शक्तिशाली महिला नेत्री जयललिता ने कुशलतापूर्वक आगे बढ़ाया। जयललिता के निधन के बाद वह तीन गुटों में विभाजित हो गई है और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में सभी 39 सीटें हार गई। जयललिता के निधन के बाद एडापडी पलानीस्वामी ही वह नेता हैं, जिन्होंने चार वर्षों तक तमिलनाडु में शासन किया था। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने अन्नाद्रमुक के अधिकांश कार्यकर्ताओं, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और विशेष रूप से दो पत्तियों वाले प्रसिद्ध चुनाव चिह्न को बरकरार रखा। एडापडी पलानीस्वामी ने हाल ही में चेन्नई में जिलावार पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाई, जिसमें चुनावी हार पर उनके विचार सुने गए। वर्ष 2021 के राज्य विधानसभा चुनाव के बाद जो लोग एडापडी पलानीस्वामी से अलग हो गए थे, वे अब अलग–अलग गुटों का विलय चाहते हैं। इनमें शामिल हैं, तमिलनाडु में थेवर जाति के कद्दावर नेता ओ पन्नीरसेल्वम, उसी जाति समूह के नेता टीटीवी दिनाकरण, जो एक राजनीतिक संगठन अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम के प्रमुख हैं और थेवर जाति की ही शशिकला। एडापडी पलानीस्वामी राज्य में ताकतवर गौंडर जाति से ताल्लुक रखते हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में एडापडी समूह को भारी झटका लगा, क्योंकि इसके कई उम्मीदवार अपनी जमानत भी नहीं बचा सके। लगातार दस चुनावों में, चाहे वह नगर निगम का हो, या विधानसभा का हो या लोकसभा का, एडापडी पलानीस्वामी एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) से हार गए हैं। तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक गौंडर और थेवर जातियों तक सिमट कर रह गई है। इसलिए कार्यकर्ता इन गुटों में विलय चाहते हैं। राज्य में अन्नाद्रमुक का जनाधार सिमट गया है। उसकी ज्यादा बड़ी जगह या तो सत्तारूढ़ द्रमुक या फिर भारतीय जनता पार्टी द्वारा छीनी जा रही है। लोकसभा चुनाव के मतदान का पैटर्न इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अन्नाद्रमुक के मतदाता दूसरे दलों का रुख कर रहे हैं। एमजीआर और जयललिता के वफादार पार्टी कार्यकर्ताओं ने हाल ही में अन्नाद्रमुक के अलग–अलग गुटों के विलय के लिए संपर्क करने के उद्देश्य से एक शांति समिति बनाई है। पार्टी कार्यकर्ता द्रमुक से मुकाबला करने के लिए एक मजबूत नेतृत्व चाहते हैं, जो अन्नाद्रमुक का कट्टर विरोधी है। लेकिन सभी चारों गुट अलग–अलग समय पर द्रविड़ संस्कृति के समर्थन का एक ही राग अलापते हैं और प्रकारांतर से एमके स्टालिन की मदद करते हैं। तमिलनाडु में 1967 से द्रविड़ पार्टियां विभाजित हैं और उनके आठ संगठन हैं। ये सभी हिंदुत्व और भाजपा के वर्चस्व का विरोध करते हैं। एमजीआर एवं जयललिताध्ही तमिलनाडु में नरम हिंदुत्व की विचारधारा को लेकर आए थे। इसी वजह से जयललिता ने राम मंदिर और कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का पुरजोर समर्थन किया था। राजनीति की यह भिन्न वैचारिक शैली, जो द्रविड़ विचारधारा के विरुद्ध है, दो शक्तिशाली जातियों–गौंडर और थेवर के दो प्रमुख नेताओं एडपाडी पलानीस्वामी और ओ पन्नीरसेल्वम की मदद कर रही है। लेकिन अन्नाद्रमुक के समर्थकध्और कार्यकर्ता एमके स्टालिन और द्रमुक से राजनीतिक रूप से उसी तरह लड़ना चाहते हैं, जिस तरह जयललिता लड़ती थीं। जातिगत राजनीति से तंग आकर अधिकांश कार्यकर्ता अब अन्नाद्रमुक से पलायन कर रहे हैं। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव, 2024 के लोकसभा चुनाव और हाल ही में जुलाई में संपन्न विक्रवंडी विधानसभा उपचुनाव के बाद यह पलायन अन्नाद्रमुक के लिए अस्तित्व के संकट की चुनौती के रूप में आया है। गौंडर खेमा भाजपा से बाहर चला गया। लेकिन थेवर समूह भाजपा के साथ बना रहा। इसलिए अन्नाद्रमुक न केवल विचारधाराओं के आंतरिक संकट का सामना कर रही है, बल्कि जातिगत वर्चस्व का भी सामना कर रही है। हर कोई एक–दूसरे पर जातिगत वर्चस्व का आरोप लगा रहा है। तमिलनाडु में वर्ष 2026 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। अगर एमजीआर के कुछ वफादारों की शांति समिति सफल नहीं होती है, तो कार्यकर्ताओं में और विभाजन का खतरा है, और एडापडी पलानीस्वामी खेमे से पांचवें विभाजन की आशंका है। एडापडी खेमे के भीतर से एसडीपीआई और एनटीके (नाम तमिलर काच्ची) जैसी छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन करने की आवाजें सुनी जा रही हैं, जिसका नेतृत्व सीमन कर रहे हैं। सीमन गुट भी द्रविड़ विचारधारा से है। सीमन तमिल ईलम मुद्दे का कट्टर समर्थक है और खुद को लिट्टे नेता प्रभाकरण की तरह पेश करता है। क्या एडापडी को सीमन के एनटीके के साथ जाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा?

अन्नाद्रमक का भविष्य क्या है? अगर बिना किसी पूर्वाग्रह के राजनीतिक नजरिये से विश्लेषण किया जाए, तो अन्नाद्रमुक का भविष्य अंधकारमय है। सभी अलग–अलग गुटों द्वारा आपस में विलय नहीं किया गया, तो अन्नाद्रमुक में और विभाजन हो सकता है। इस बार यह विभाजन खुले तौर पर द्रमुक या भाजपा के पक्ष में होगा। दुर्भाग्य से अन्नाद्रमुक के विभाजन के दौर में कांग्रेस ने प्रयास किया था, लेकिन उसका द्रमुक के साथ इतना मजबूत गठबंधन है कि कांग्रेस ने एडापडी पलानीस्वामी से दूरी बना ली। इसलिए कांग्रेस अन्नाद्रमुक के विभाजन से अलग–थलग है। क्या अन्नाद्रमुक के विभाजन में नई दिल्ली का हाथ है? इसका जवाब स्पष्ट रूप से हां है। जयललिता के निधन के तुरंत बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक रणनीतिक प्रस्ताव दिया था, जिसे एडापडी पलानीस्वामी ने नहीं माना। यदि भाजपा के प्रस्ताव को लोकसभा चुनाव में मंजूर कर लिया गया होता, तो द्रमुक को राज्य में सभी सीटें नहीं मिलतीं और एडापडी के नेतृत्व में अन्नाद्रमुक राजग सरकार के केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होती।ध्वर्ष 2026 का राज्य विधानसभा चुनाव महत्वपूर्ण है।

मा0 वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने जनपद के कई स्थानों पर किया वृक्षारोपण

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार सुरेश कुमार खन्ना एवं जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा वृक्षा रोपण किया गया। एक पेड़ मां के नाम, वृहद वृक्षारोपण जन अभियान 2024 के अंतर्गत शाहवेगपुर ग्राम के पीछे निर्माणाधीन पलिया बाईपास मार्ग के निकट वित्त मंत्री ने वृक्षारोपण कर सभी से वृहद स्तर पर वृक्षारोपण

करने की अपील की। इस दौरान उन्होंने वृक्षारोपण के महत्व तथा ग्लोबल वार्मिगं से पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव के विषय में भी बताया।

वृक्षारोपण जनअभियान कार्यक्रम अन्तर्गत प्रधानमंत्री द्वारा आवाहन पर ग्राम शाहवेगपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मा0 वित्त मंत्री सहित, डीएम, एसपी, नगर आयुक्त ने वृक्षारोपण कर जनसंदेश दिया। इस अवसर पर वित्त मंत्री ने कहा कि आज पूरे उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री जी ने वृक्षारोपण के लिए विशेष दिन चुना है। उन्होंने कहा कि खास तौर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश में आज 36 करोड़ से अधिक पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है। पहले भी वृक्षारोपण में उत्तर प्रदेश का नाम कई बार गिनीज बुक ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड में आ चुका है। उन्होंने कहा कि जितना पेड़ लगाना जरूरी है, उतना ही उसका संरक्षण करना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि पेड़ों का संरक्षण नहीं करेंगे तो उसका फल हमको नही मिलेगा। वृक्षारोपण जनअभियान को प्रधानमंत्री जी ने एक पेड़ मां के नाम स्लोगन देकर जज्बातों से जोड़ दिया है, हम सब सम्मान और प्रेम सबसे ज्यादा अपनी मां से करते हैं, जब मां का नाम आ जाता है तब भाव ही दूसरा हो जाता है। इसीलिए प्रधानमंत्री जी ने जज्बाती नारा दिया है कि हम अपनी– अपनी मां के नाम एक पेड़ लगाएंगे और उसे सदैव जीवित रखेंगे। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग से बचाव हेतु पौधारोपण ही ऐसा सहारा है जो उसे घटा सकता है। आए दिन गर्मियों में लगातार तापमान बढ़ रहा है, जिसका कारण है पेड़ो का कटान अधिक होना तथा उसके सापेक्षा कम वृक्षारोपण होना। वृक्षारोपण अधिक हो और पेड़ों का कटान ना हो तो निश्चित ही तापमान में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि जो पेड़ लगाने का कांसेप्ट है जो आने वाले समय में बहुत ज्यादा उपयोगी है। हर तरह से सुरक्षित स्थानों पर पौधारोपण करें। वृक्षारोपण कार्यक्रम की सार्थकता तभी होगी जब सभी लोग मन में संकल्प करें कि पेड़ लगाएंगे और उसको जीवित रखने का इंतजाम करेगें। इस दौरान महापौर अर्चना वर्मा ने भी शाहवेगपुर में वृक्षारोपण किया तथा वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये जिलाधिकारी ने कहा कि आज वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में एक पेड़ मां के नाम लगाया जा रहा है जो वृक्षारोपण जनअभियान की थीम है। जनपद का लक्ष्य 55 लाख 49 हजार 801 है, जिसमें 40 लाख लक्ष्य वन विभाग को अवंटित किया गया है तथा शेष अन्य विभागों को लक्ष्य दिया गया है। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाने से ज्यादा उसका संरक्षण जरूरी है। पेड़ों का हम संरक्षण कर लेंगे तो वास्तविक वृक्षारोपण की मंशा सफल होगी। इसी क्रम में मा0 मंत्री एवं जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों ने बरेली मोड़ स्थित शहीद भगत सिंह पार्क एवं केंद्रीय विद्यालय प्रथम कैंट में भी वृक्षारोपण किया। केवी–1 में मा0 मंत्री ने छात्रों को एक–एक पौधा भी भेंट किया। मा0 मंत्री ने छात्रों से कहा कि वह पौधा अपनी मां के नाम लगाएं तथा उसका संरक्षण करें। इसी के क्रम में उत्तर प्रदेश शासन, श्रम विभाग के प्रमुख सचिव /जनपद के नोडल अधिकारी अनिल कुमार तृतीय ने गन्ना शोध अतिथि गृह एवं नगरिया मोड स्थित पुलिस चौकी में वृक्षारोपण किया। इस दौरान महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, पुलिस अधीक्षक अशोक मीणा, नगर आयुक्त डॉ0 विपिन कुमार मिश्र, डीएफओ गौरव गर्ग, सीडीओ डॉ0 अपराजिता सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय कुमार पाण्डेय, नगर मजिस्ट्रेट प्रवेन्द्र कुमार, अपर नगर आयुक्त एसके सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए हम जो भी कार्य करते हैं, उसमें वृक्षारोपण का कार्य सबसे महत्वपूर्ण है – पुष्पराज सिंह

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर आज पर्यावरण दिवस के अवसर एक पेड़ मा के नाम पर आयोजित कार्यक्रम मे भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के नेतृत्व मे जिले के सभी मंडल एव बूथ पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगो को जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने समझाया कि इन दिनों पर्यावरण पर लगातार दबाव बढ़ता ही जा रहा है इसका एक कारण प्रदूषण का बढ़ना भी है

प्रदूषण के बढ़ने से हमारा पर्यावरण काफी प्रभावित हुआ है यही वजह है कि वर्तमान में जलवायु बहुत तेजी से गर्म हो रही है दूसरी ओर, आवास और खाद्य संकट के कारण विभिन्न जीव–जंतुओं की दुर्लभ प्रजातियां विलुप्त हो रही हैं। मेरा मानना है कि इस समस्या के समाधान के लिए हमारे समाज को और अधिक समावेशी एवं प्रकृति से जुड़ा हुआ बनाना होगा हमें प्रकृति को नुकसान पहुंचाने के बजाए इसे संरक्षित करने पर जोर देना होगा। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए हम जो भी कार्य करते हैं, उसमें वृक्षारोपण का कार्य सबसे महत्वपूर्ण है। पेड़ हमें जीवनदायी ऑक्सीजन देता है, जो कार्बन को कम करने में मदद करती है, साथ ही यह ओजोन की परत को सुरक्षित रखती है। आइए, हम पर्यावरण संरक्षण, वनीकरण और सतत विकास में अपने प्रयासों को जारी रखने का एक बार पुनः संकल्प लें। इसके साथ ही, जल संरक्षण, सौर ऊर्जा, स्वच्छता, प्राकृतिक खेती, नदी, झील, पहाड़, वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा और संरक्षण हेतु मिलजुल कर प्रयास करें। इसी क्रम में जिला सहकारी फेडरेशन लिमिटेड जौनपुर में वृक्षारोपण का कार्यक्रम संस्था के सभापति धनंजय सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया जिसमें अतिथि के रूप में सहायक आयुक्त कोऑपरेटिव अमित कुमार पाण्डेय उपस्थित रहे वृक्षारोपण कार्यक्रम में उपस्थित रहे। किसानों को बृक्षों के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि वर्तमान में वृक्षारोपण अति आवश्यक इसलिए भी हो गया है कि बिना इसके वायुमंडल को सामान्य नहीं किया जा सकता इसलिये आज यह समय की मांग भी है कि हमें पर्यावरण संरक्षण के लिए एक तत्काल ठोस कार्य योजना अपनानी चाहिए मैं सभी से आह्वान करता हूं कि वे प्रकृति के साथ अपनी नजदीकियां को बढ़ाएं पर्यावरण को संतुलित बनाए रखें साथ ही हम अपने जीवन–यापन के तौर–तरीके में थोड़ा बदलाव लाने का प्रयास करें वनों, पर्यावरण और संसाधनों की संपूर्णता के संरक्षण के लिए पूरे दिल से प्रयास करने का संकल्प लें, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियां इस अद्भुत पृथ्वी के अनुभवों से वंचित न रहें। वृक्षारोपण में हर उम्र के लोग हिस्सा ले सकते हैं और ले भी रहे हैं। परन्तु यह भी ध्यान देने वाली बात है कि वृक्षारोपण के साथ–साथ उसकी देखभाल करना भी बेहद जरूरी है। एक पेड़ को बड़े होने तक उसकी अच्छी तरह से देखभाल करना भी हमारी जिम्मेदारी बनती है। आइए, आज वृक्षारोपण के जरिए हम अपने पर्यावरण को हरा–भरा बनाने के साथ–साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए अपनी धरती को हरित व अनुकूल बनाए रखने का प्रयास करें। उपस्थित सभी सभी किसानों को संकल्प दिलाया गया कि जब तक पौधे बड़े नहीं हो जाते तब तक उसकी देख रेख की जिम्मेदारी हमारी होगी उन्होंने यह भी संकल्प लिया हर साल हम पाँच पेड़ लगायेंगे।

परीक्षा नियंत्रक विनोद कुमार सिंह ने कार्यभार संभाला

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विनोद कुमार सिंह ने परीक्षा नियंत्रक का कार्यभार शनिवार को ग्रहण किया। यह कार्यभार उन्होंने प्रभारी परीक्षा नियंत्रक अजीत सिंह से ग्रहण किया। श्री सिंह लखनऊ में कुलसचिव के रूप में अपनी सेवा देने के बाद पूर्वांचल विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक के पद पर शासन द्वारा नियुक्त किए गए है। उनकी यह नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय के परीक्षा तंत्र को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विनोद कुमार सिंह के पास शैक्षणिक प्रशासन और प्रबंधन का व्यापक अनुभव है। लखनऊ विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रार के पद पर रहते हुए, उन्होंने प्रशासनिक कार्यों को निपुणता से संभाला और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सुधार के लिए कई पहल की। उनके नेतृत्व में लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित किए और संस्थान के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। गौरतलब है कि परीक्षा नियंत्रक विश्वविद्यालय के एल्युमिनाई भी है। उन्होंने यहां के कर्मचारियों के कार्य पद्धति की सराहना भी की। इस अवसर पर कुलपति ने अधिकारियों और कर्मचारियों की एक शिष्टाचार बैठक बुलाई। बैठक में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक के रूप में विनोद सिंह की नियुक्ति विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र में स्थित है और यहां हजारों छात्र विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हैं। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि परीक्षा नियंत्रक के रूप में वे परीक्षा प्रक्रियाएं सुचारू और निष्पक्ष तरीके से संचालित करेंगे ताकि छात्रों की शैक्षणिक प्रगति का सही मूल्यांकन कर उन्हें समय पर परिणाम प्रदान किया जा सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें बुके देकर सम्मानित किया।

गर्ल आइकन मिलान फाउंडेशन एवं सरजू प्रसाद शैक्षिक संस्था द्वारा कार्यक्रम संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गर्ल आइकान मिलान फाउंडेशन एवं सरजू प्रसाद शैक्षिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था द्वारा बीआरपी इंटर कॉलेज में सफलता पूर्वक समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य डॉक्टर प्रमोद कुमार श्रीवास्तव करते हुए कहा कि जिला स्तरीय गर्ल आइकन कार्यक्रम में सामाजिक एवं आर्थिक रूप से वंचित एवं पिछड़े समुदायों की ऐसी प्रतिभाशाली साहसी किशोरियों का चयन किया जाता है जो अपनी शिक्षा को आगे ले जाने में प्रतिबद्ध हो और समाज में सकारात्मक बदलाव की इच्छा रखती है संस्था द्वारा ऐसी बालिकाओं को जीवन कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है यह किशोरिया अपने समुदाय में 20 अन्य किशोरियों का समूह बनाकर उन्हें जागरूक करती हैं। संचालन कोऑर्डिनेटर सुरभि श्रीवास्तव ने कहा कि गर्ल आइकॉन को संस्था की विजन मिशन और मूल्यों पर आधारित जीवन में आत्मविश्वास अपने सपने पूरा करने का हक है और हौसला भी है की प्रति समझ बढ़ता है। कार्यक्रम अधिकारी नेहा श्रीवास्तव एवं रंजन शुक्ला ने सभी बालिकाओं को पाठय् पुस्तक एवं कॉपी पेन इत्यादि प्रदान करते हुए प्रशिक्षण भी दिया । प्रशिक्षण देने में प्रमुख भूमिका उजमा परिणीता अनुभव महंत राज जी अनिल कुमार इत्यादि का रहा। कार्यक्रम में अतिथियों को और किशोरियों को सम्मानित किया गया। अंत में कार्यक्रम संयोजक पूर्व अध्यक्ष चाइल्ड वेलफेयर कमेटी संजय उपाध्याय ने सभी का आभार व्यक्त किया।

परीक्षा नियंत्रक विनोद कुमार सिंह ने कार्यभार संभाला

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विनोद कुमार सिंह ने परीक्षा नियंत्रक का कार्यभार शनिवार को ग्रहण किया। यह कार्यभार उन्होंने प्रभारी परीक्षा नियंत्रक अजीत सिंह से ग्रहण किया। श्री सिंह लखनऊ में कुलसचिव के रूप में अपनी सेवा देने के बाद पूर्वांचल विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक के पद पर शासन द्वारा नियुक्त किए गए है। उनकी यह नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय के परीक्षा तंत्र को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विनोद कुमार सिंह के पास शैक्षणिक प्रशासन और प्रबंधन का व्यापक अनुभव है। लखनऊ विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रार के पद पर रहते हुए, उन्होंने प्रशासनिक कार्यों को निपुणता से संभाला और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सुधार के लिए कई पहल की। उनके नेतृत्व में लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित किए और संस्थान के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। गौरतलब है कि परीक्षा नियंत्रक विश्वविद्यालय के एल्युमिनाई भी है। उन्होंने यहां के कर्मचारियों के कार्य पद्धति की सराहना भी की। इस अवसर पर कुलपति ने अधिकारियों और कर्मचारियों की एक शिष्टाचार बैठक बुलाई। बैठक में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक के रूप में विनोद सिंह की नियुक्ति विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र में स्थित है और यहां हजारों छात्र विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हैं। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि परीक्षा नियंत्रक के रूप में वे परीक्षा प्रक्रियाएं सुचारू और निष्पक्ष तरीके से संचालित करेंगे ताकि छात्रों की शैक्षणिक प्रगति का सही मूल्यांकन कर उन्हें समय पर परिणाम प्रदान किया जा सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें बुके देकर सम्मानित किया।

रामनगरी में अब पिंक ई–रिक्शा चलाएंगी महिलाएं

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामनगरी में अब महिलाएं पिंक ई–रिक्शा चलाती नजर आएंगी।शहर में महिला और बालिकाओं के लिए अलग से ई–रिक्शा चलेंगे। इनमें ड्राइवर भी महिलाएं ही होगी। ये ई–रिक्शा पिंक कलर के होंगे। नगर निगम में दीनदयाल अन्त्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत पिंक ई–रिक्शा प्रोजेक्टष पर काम शुरू किया गया है।परियोजना अधिकारी नगरीय विकास अभिकरण यामिनी रंजन ने बताया कि प्रोजेक्ट के तहत शहर की महिलाओं को पिंक ऑटो रिक्शा उपलब्ध करवाए जाएंगे। ईटीओ मो. प्रा. लि. के सहयोग से इन महिलाओं को वाहन चलाने का प्रशिक्षण देने के साथ ही प्रतिदिन 400 या 500 रुपए के हिसाब से जमा करना होगा। बाकी शेष कमाई उनकी आमदनी होगी। साथ ही पिंक ई रिक्शा की पार्किंग, चार्जिंग, रख रखाव सब कंपनी करेगी।उन्होंने बताया कि पिंक ई–रिक्शा से न सिर्फ इन महिलाओं को आजीविका मिलेगी, बल्कि स्कूल कॉलेज जाने वाली बच्चियों के अभिभावकों एवं महिलाओं की रोज शहर में यात्रा करते वक्त होने वाली असुरक्षा की भावना भी दूर होगी। पीओ ने बताया कि पिंक ई–रिक्शा प्रोजेक्ट के लिए स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं से निशुल्क आवेदन लिए जा रहे हैं।जो महिलाएं समूह से नहीं जुड़ी हैं उन महिलाओं को डेएनयूएलएम योजना के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा भी जाएगा।इन महिलाओं को ऑटो रिक्शा चलाने का प्रशिक्षण भी निशुल्क उपलब्ध करवाया जाएगा।प्रशिक्षण के बाद इन महिलाओं के ड्राइविंग लाइसेंस बनाए जाएंगे।जिले में अभी तक इस योजना का कुल लक्ष्य 50 महिलाओं का रखा गया है। जिसमें वर्तमान समय में 9 महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। लक्ष्य के सापेक्ष बाकी महिलाओं से आवेदन और चयन की प्रक्रिया चल रही है।मुख्य स्थान जहां महिलाओं एवं बच्चियों का ज्यादा आना–जाना रहता है,मुख्य बाजार, बस स्टैंड के पास, कॉलेज के पास ई–रिक्शा स्टैंड बनाए जाएंगे,ताकि इन ई– रिक्शा की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

सीएमओ डा. संजय जैन ने किया सी एच सी पूराबाजार व सीएचसी तारुन उपकेंद्र

अयोध्या। जनपद में चिकित्सा एवम स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर व जन मुखी बनाये रखने के लिए सीएमओ डॉ संजय जैन ने सीएचसी तारुन के अंतर्गत ग्राम स्वास्थ्य पौषण दिवस के अवसर पर उपकेंद्र नारायणपुर बालापुर का आकस्मिक निरीक्षण किया साथ के अलावा आयुष्मान आरोग्य मंदिर जाना बाजार का भी निरीक्षण किया।साथ ही आयुष्मान आरोग्य मंदिर महमूद बेलगरा एवं सीएचसी पूरा बाजार के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर रसूलाबाद में वर्तमान समय ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम की समीक्षा किया,विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान , स्टॉप डायरिया प्रोग्राम, बाल स्वास्थ्य पोषण माह, विश्व जनसंख्या माह एवं टीकाकरण के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर में

सी एच ओ एवं ए एन एम के द्वारा मरीजों को बेहतर इलाज किया जाय, दवाओं और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता की जाय। सीएमओ डॉ संजय जैन द्वारा निर्देशित किया गया कि जनता को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए शासन की मंशा के अनुरूप बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया, साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता के लिए प्रतिदिन सेवाएं प्रदान करने को कहा। इस मौके पर डिप्टी डी आई ओ डॉक्टर राजेश चौधरी, डी पी एम आर पी पटेल, डीसीपीएम अमित कुमार उपस्थित रहे।

प्रभारी निरीक्षक व चौकी प्रभारियों के कार्यशैली पर एसएसपी की पैनी नजर

अयोध्या। काम के प्रति लापरवाह व क्षेत्र में अपराध पर अंकुश न लगाने वाले चौकी प्रभारियों व प्रभारी निरीक्षकध्थानाध्यक्ष की खैर नहीं।अगर किसी भी चौकी प्रभारी व थानों से प्रभारी निरीक्षकध्थानाध्यक्ष के खिलाफ कोई फरियादी शिकायत लेकर एसएसपी राज करन नय्यर के दरबार में आता है तो अगर फरियादियों की शिकायत सही मिलती है तो इन चौकी प्रभारियों व प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष के ऊपर कार्यवाही तय है। इसका जीता–जागता उदाहरण 24 घंटे के अंदर कोतवाली नगर क्षेत्र में स्थित चौकी प्रभारी फतेहगंज व चौकी प्रभारी सहादतगंज पर हुई से दिखाई पड़ रहा है।बताते चलें कि फतेहगंज चौकी क्षेत्र में स्थित साईबाबा कुटिया के अलावा कई जगहों पर हो रही अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने में असमर्थ दिखाई दे रहे थे।जिनकी शिकायत एसएसपी तक पहुंची।जिसे गंभीरता से लेते हुए प्रथम दृष्ट्या फतेहगंज चौकी प्रभारी अक्षत कुमार पटेल को निलंबित कर इस मामले जांच करा रहे हैं। वही एसएसपी राज करन ने कोतवाली नगर क्षेत्र में सहादतगंज चौकी प्रभारी धर्मेंद्र सिंह पर भी कार्रवाई करते हुए पुलिस लाइन का रास्ता दिखाते हुए लाइन हाजिर कर दिया।इस संबंध में एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह ने बताया कि इस समय प्रभारी निरीक्षक चौकी प्रभारी हर घटनाओं पर पैनी नजर रखे।क्योंकि इस समय सावन झूला,कांवड़ यात्रा,रक्षा बंधन, पन्द्रह अगस्त सहित कई अन्य प्रमुख पर्व है। वही किसी भी चौकी व थाना क्षेत्र में आने वाले फरियादियों के शिकायतों का निस्तारण वही पर करें। अगर किसी भी चौकी प्रभारी और प्रभारी निरीक्षकध्थानाध्यक्ष की शिकायत जिला मुख्यालय पर आती है तो उन पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई तय है।

महानगरो जैसी रेस्टोरेंट सुविधाए अब आपके शहर जौनपुर में – विनीत सेठ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गहना कोठी परिवार ने अपने व्यवसाय में एक और कदम आगे बढ़ते हुए नगर के राजमहल में राज दरबार फैमली रेस्टोरेंट का भव्य उद्घाटन गहना कोठी फर्म के अधिष्ठाता विनीत सेठ की माता विमला सेठ ने फीता काटकर किया। इससे पूर्व रेस्टोरेंट में पूजा पाठ सम्पन्न हुआ जिसमे गहना कोठी परिवार के सभी सदस्य सम्मिलित हुए। इस मौके पर गहना कोठी फर्म के अधिष्ठाता विनीत सेठ ने बताया कि अब लोगों को महानगरों में जाने की आवश्यकता नहीं है यही जौनपुर में ही शुद्ध एक से एक वेज व्यंजन खाने की सुविधा मिलेगी। इस रेस्टोरेंट में इंडियन व दक्षिण भारतीय नाश्ते व खाने की उत्तम व्यवस्था है। रेस्टोरेंट में लोगों

की सुविधाओं को देखते हुए साथ में बैंक्वेट हाल, बर्थ डे पार्टी,मीटिंग, सगाई समारोह, तिलकोत्सव आदि की सुविधा भी उपलब्ध है। विशाल सेठ ने बताया कि राज दरबार रेस्टोरेंट में विभिन्न प्रकार के लजीज व्यजनों को तैयार करने के लिये कुक के चयन व स्वच्छता पर खास ध्यान दिया गया है। सभी कुशल कुक व कर्मचारी दूसरे राज्यों से आए हुए हैं। यहां पर शुद्ध शाकाहारी खाने की उत्तम व्यवस्था है। आए हुए सभी आगंतुओ का स्वागत विनीत सेठ, विशाल सेठ व विपिन सेठ ने किया आभार विवेक सेठ मोनू ने वक्त किया। इस अवसर पर हर्षित सेठ, आयुष सेठ, उज्जवल सेठ, हरि सेठ व समस्त गहना कोठी परिवार उपस्थित रहे।

सर्ववैश्य समाज की कार्यकारणी का हुआ गठन, समाज की एकजुता क लिए लोगो ने लिया संकल्प

जौनपुर। मुंगराबादशाहपुर नगर के एक मैरेज हाल में शुक्रवार देर शाम को सर्व वैश्य समाज की एकजुता को लेकर एक बैठक अध्यक्ष राजकुमार ऊमरवैश्य (नेता) की अध्यक्षता में आहूत की गई। जिसमें विभिन्न वैश्य समाज के भोलानाथ केशरवानी, राधेश्याम भोज्यवाल (मल्लू) जय प्रकाश साहू, कैलाश नाथ मोदनवाल, बिजेंद्र जायसवाल व राजेंद्र स्वर्णकार संरक्षक की उपस्थिति में सर्वसम्मति से सर्व समाज की कार्यकारणी का गठन किया गया। जिसमें रंजीत भोज्यवल, राजकुमार जायसवाल, शरद केसरी व आशीष को महामंत्री। संतोष गुप्ता डब्बल कोषाध्यक्ष, अरविंद साहू बच्चा उप कोषाध्यक्ष।राजीव कुमार गुप्ता राजू, शिव गोविंद साहू, हीरालाल भोज्यवाल, संदीप कसेरा व रामगोपाल केसरवानी को उपाध्यक्ष। नागेंद्र मोदनवाल, रामनारायण साहू, आलोक गुप्ता पिंटू, उमाशंकर गुप्ता इंजी, राजकुमार केसरवानी को सलाहकार। शिव कुमार लल्ला, राजबहदुर चौरसिया, सौरभ जायसवाल, बैजनाथ साहू व उमाशंकर चौरसिया को संगठन मंत्री। विक्की गुप्ता, शिव प्रसाद गुप्ता व सिद्धार्थ जायसवाल को मीडिया प्रभारी।आय व्यय निरीक्षक रवि उमवैश्य समेत विभिन्न पदों पर 151 विभिन्न लोग मनोनित किए गए। इस अवसर पर सभी मनोनित पदाधिकारियों को सर्व वैश्य समाज की एकजुट और मजबूती के लिए संकल्प दिलाया गया।सर्ववैश्य समाज के अध्यक्ष राजकुमार ऊमरवैश्य ने कहां कि किसी भी सर्व वैश्य समाज का विकास सभी वैश्य की एकजुता से ही संभव है। वैश्य समाज की एकता के बिना समाज विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। वक्ताओं में पूर्व चेयरमैन शिव गोविन्द साहू, आलोक गुप्ता पिंटू, राजीव गुप्ता राजू, राजकुमार काजू, इंजी.उमाशंकर व रमई नेता आदि लोगों ने वैश्य समाज की मजबूती पर बल दिया।इस दौरान वरुण गुप्ता, निशु केसरी, मनीष केसरी, जगदंबा जायसवाल, अंब्रिश सोनी, अनुज श्रीवास्तव, सुरेश सोनी,अनिल कुमार भूरे,अनूप गुप्ता,विपिन गुप्ता व शिव प्रसाद सीके आदि लोग मौजूद रहे।

स्वच्छ पर्यावरण मे वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका – नगर विधायक

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। वृक्षारोपण जन अभियन के तहत ग्राम मडना में एसबीएस इंटरनेशनल स्कूल के प्रांगण में मुख्य अतिथि विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने वृक्षारोपण किया उन्होंने आम जामुन पीपल पाकड व नीम के वृक्ष लगाए वृक्षारोपण में स्कूल प्रांगण व सड़क के किनारे 115 पौधरोपण किया।इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि वृक्षारोपण जन अभियान के तहत प्रदेश में 36 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है।उन्होंने कहा कि वृक्ष धरती के आभूषण है स्वच्छ एवं स्वस्थ्य पर्यावरण सृजित करने हेतु खेतों में सड़कों के किनारे व सार्वजनिक स्थानों पर वृक्ष लगाकर इस अभियान को सफल बनाएं कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्रबंधक राजवंत सिंह व संचालन ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ओम प्रकाश यादव ने किया।वृक्षारोपण में अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय महामंत्री हरिभजन गौड़ गन्ना समिति के अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह मंडल अध्यक्ष वरुण चौधरी भाजपा के वरिष्ठ नेता शारदा यादव मंडल महामंत्री राजेश पाठक ग्राम सचिव नीरज सिंह सामाजिक कार्यकर्ता विजय प्रताप सिंह अजय सिंह श ने भी वृक्षारोपण में मुख्य अतिथि का सहयोग किया स्कूल के प्रधानाचार्य अमर सिंह ने वृक्षों के देखरेख की जिम्मेदारी लेते हुए मुख्य अतिथि व अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

रेट लिस्ट के साथ ढाबों पर लिखा जाए मालिक का नाम - डीआइजी

सहारनपुर, संवाददाता। कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद करने में लगी है। डीआइजी अजय कुमार साहनी ने सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और शामली के पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि होटल और ढाबों पर खाद्य पदार्थों की सूची व इनके स्वामियों के नाम भी लिखे जाएं। ताकि कांवड़ियों को पता चल सके कि किस समुदाय के व्यक्ति का ढाबा है। डीआइजी अजय कुमार साहनी ने कहा कि 22 जुलाई से कांवड़ यात्रा शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और शामली के कांवड़ शिविर लगाने वाली समितियों से होटल और ढाबा संचालकों से वार्ता कर ली गई है। तीनों जिलों में कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाले होटल और ढाबा संचालकों को खाद्य पदार्थों की सूची लगाने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही होटल व ढाबों के स्वामियों का नाम भी बोर्ड पर अंकित किया जाए। क्योंकि, पूर्व में कई ऐसे मामले सामने आए हैं कि देवी–देवताओं के नाम पर होटल व ढाबों के नाम रखे गए हैं, लेकिन इनके स्वामी दूसरे समुदाय के हैं। पूर्व में इसको लेकर झगड़े भी हुए हैं। इसी तरह प्रतिष्ठानों, दुकानों पर बैनर और पोस्टर भी संचालक लगाएं। कांवड़ियों को किसी तरह की कोई दिक्कत न हो। इसमें सभी का सहयोग पुलिस को मिल रहा है। सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जाएं। अगर कोई व्यक्ति माहौल खराब करने की कोशिश करता है तो उसके खिलाफ तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की जाए। संदिग्धों पर पैनी नजर रखी जाए। शिवालयों में सुरक्षा व्यवस्था चाकचौबंद रहे।

सांप ने चार को डसा, तीन की बची जान

सहारनपुर, संवाददाता। बरसात के मौसम में सांप काटने की घटनाएं बढ़ गई हैं। बृहस्पतिवार को अलग–अलग थाना क्षेत्रों में चार लोगों को सांप ने डस लिया। इसमें एक किशोरी की मौत हो गई, जबकि तीन ने उपचार कराया तो जान बच गई। जिस किशोरी की मौत हुई, उसके परिजन पहले झाड़–फूंक के चक्कर में पड़े रहे। तीन घंटे बाद अस्पताल पहुंचे। बृहस्पतिवार को बिहारीगढ़ थाना क्षेत्र के गांव सतपुरा में मोहसीन की 16 वर्षीय बेटी अमन को सुबह करीब साढ़े आठ बजे घर पर सांप ने काट लिया। परिजनों को पता लगा तो वह झांड़–फूंक कराने के लिए पास के गांव बरौली लेकर पहुंचे। यहां अमन की हालत देखकर जवाब दे दिया। इसके बाद परिजन जिला अस्पताल पहुंचे। इस दौरान करीब तीन घंटे बीत चुके थे। जहां पर चिकित्सकों ने किशोरी को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों का कहना था कि अगर समय से किशोरी को लेकर आते तो जान बच सकती थी। अमन अपने चार भाई–बहनों में सबसे बड़ी थी। चिलकाना के गांव मलकपुर निवासी राजपाल पुत्र संतु (48) को बृहस्पतिवार सुबह खेत में खाद डालते समय सांप ने काट लिया। इसके अलावा अवनि पुत्री राकेश सैनी (14) निवासी खलासी लाइन और अनिस्ता पुत्री मुन्नालाल कपूरी गोविंद थाना देबवंद को भी घर के अंदर सांप ने डस लिया। इसके बाद यह सभी एसबीडी जिला अस्पताल पहुंचे। जहां पर एंटी स्नेक वेनम लगाई गई। जिनकी हालत में सुधार है।

अवनि को तीन बार काट चुका सांप

एक महीने के अंदर अवनि को तीन बार सांप काट चुका है। जब भी सांप ने काटा तो वह सीधे अस्पताल पहुंची। एक महीने में तीन बार सांप के काटने से चिकित्सक भी हैरान हैं।

दिवाकर सिंह 9 वी बार निर्विरोध केमिस्ट्स एंड ड्रागिस्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। केमिस्ट्स एंड ड्रागिस्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन जौनपुर का कार्यकारिणी एवं सम्मान समारोह सभा का आयोजन नगर के एक होटल में शुक्रवार देर रात सम्पन्न हुआ,कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्था के अध्यक्ष शकील अहमद ने विगत दिनों संपन्न हुए प्रादेशिक दवा संगठन ओ सी डी यूपी के चुनाव में निर्विरोध निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष दिवाकर सिंह,महामंत्री सुधीर अग्रवाल एवं जोन महामंत्री श्याम सिंह का स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दिए।अपने अध्यक्षीय उद्धबोधन शकील अहमद ने प्रदेश पदाधिकारियों के नेतृत्व एवं कार्यकुशलता की सराहना किए और आगे के कार्यकाल के लिए दवा व्यवसाय की समस्या व निराकरण की प्रतिबद्धता की आशा किए।ओ सी डी यूपी के प्रदेश अध्यक्ष दिवाकर सिंह और महामंत्री सुधीर अग्रवाल को शकील अहमद प्रशांत मौर्य और श्याम सिंह ने माल्यार्पण अंगवस्त्रम और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत एवं सम्मानित किए ।जोन महामंत्री श्याम सिंह को महेश पाण्डेय और सुनील गुप्ता में माल्यार्पण और अंगवस्त्रम से स्वागत एवं सम्मानित किए। ,प्रादेशिक अध्यक्ष व जिला महामंत्री दिवाकर सिंह ने जिले में एक अन्य समानांतर संस्था से आए सदस्य लालजी गुप्ता,प्रमोद मौर्य,स्वतंत्र जायसवाल सुधीर अग्रवाल विनय गुप्ता और सोमेश्वर केशरवानी का अंगवस्त्रम और माल्यार्पण कर स्वागत किए। केमिस्ट्स एंड ड्रेगिस्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन जौनपुर का सदस्यता प्रमाणपत्र दे कर संस्था की सदस्यता ग्रहण कराए,साथ में आए अन्य सदस्यों का भी स्वागत करते हुए संस्था की सदस्यता ग्रहण कराए। इस अवसर पर विनय गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि संस्था को छोड़ना तात्कालिक परिस्थिति वश को संबोधित करते हुए कहा कि भावुकतावश और मतिभ्रम के कारण

एक गलत निर्णय था जिसका परिमार्जन स्वच्छ मन से वापसी है आगे संस्था के हित के लिए प्रतिबद्ध रहूंगा। सोमेश्वर केशरवानी ने सभा संस्था एक गलत निर्णय था लेकिन परिवार में वापसी से अभिभूत हूं सभा का संचालन संजीव सिंह ने किया।

किसानों को तकनीकी रूप से समृद्ध बनाना नाबार्ड की प्राथमिकता – डा. अजय कुमार सूद

अयोध्या। किसानों को खेती के नवीनतम तकनीकी से रूबरू कराना तथा उसके एक मॉडल विकसित करना नाबार्ड की प्रमुख प्राथमिकता हैं।जिससे अन्य किसान भी प्रेरणा प्राप्त कर इससे होने वाले लाभों को ले सकते हैं।यह बाते नाबार्ड के उप प्रबंध निदेशक डॉक्टर अजय कुमार सूद ने हरिंगंटनगंज विकास खंड की बसवार खुर्द ग्राम पंचायत में प्रगतिशील कृष्ण हरिश्चंद्र चौरसिया तथा राहुल चौरसिया के प्रक्षेत्र में स्थापित हाइड्रोपोनिक इकाई तथा केला रेशा से निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी तथा समूह की महिलाओं और किसानों का सम्मान समारोह कार्यक्रम ओंकार सेवा संस्थान द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा।इस मौके पर महिलाओं के द्वारा केला रेशा से निर्मित उत्पादों का अवलोकन करते हुये कहा कि इससे जहां एक ओर महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ रहा है। इस मौके पर महिलाओं को और भी आकर्षक उत्पाद तैयार करने की सलाह भी दी। इस मौके पर उन्होंने एक हजार वर्ग फीट में स्थापित हाइड्रोपोनिक इकाई का भी अवलोकन किया।नाबार्ड क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ से आये मुख्य महाप्रबंधक पंकज कुमार ने कहा कि केला के तने रेशा ,तरल खाद ,कंपोस्ट तथा अन्य उपयोगी उत्पाद तैयार करके महिलाएं एक सराहनीय कार्य कर रही है।जिससे उनकी आजीविका सुनिश्चित होगी तथा समाज की अन्य महिलाएं और किसान सीधे तौर पर इसे लाभान्वित होंगे ।कार्यक्रम मे प्रगतिशील किसान जमुना प्रसाद मौर्य ,सच्चिदानंद तथा हरिश्चंद्र चौरसिया को स्प्रेयर मशीन देकर उप प्रबंध निदेशक डॉक्टर अजय कुमार सूद ने उन्नति खेती के लिए सम्मानित किया।वही समूह के महिलाओं को सी सी एल का चेक भी प्रदान किया गया।इस मौके पर कमलेश यादव,उप महाप्रबंधक विनोद कुमार रोहिला,सहायक महाप्रबंधक अनुपम दत्ता,तथा रोहित उत्पल,देवेंद्र प्रताप शुक्ला,श्रीकृष्ण दुबे, भवानी प्रसाद मौर्य ,वैभव शुक्ला , चंद्र प्रकाश , कुलदीप चौरसिया ,राजेश कुमार ,महेश मिश्र के साथ साथ प्रीति सिंह ,सुनीता शुक्ला ,संगीता मौर्य , अनीता तिवारी ,प्रवेश कुमारी यादव सहित लगभग तीन सौ से अधिक लोग उपस्थित रहे ।

पर्यावरण को बचाने के लिए जरुरी है वृक्षारोपण – डा. संजय जैन

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। वृक्षारोपण जन अभियान 2024– पेड़ लगाओ–पेड़ बचाओ, एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत जिला अधिकारी के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला महिला चिकित्सालय एवं फाइलेरिया नियंत्रण अधिकारी ध्नोडल अधिकारी (वृक्षारोपण) के संयुक्त प्रयास व वन विभाग के सहयोग से जिला महिला चिकित्साल्य में पैदा हुए बच्चो के परिवार जनों को आज वृक्षारोपण हेतु प्रेरित करते हुए पौधे प्रदान किए गए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय जैन ने कहा कि हम सभी को पर्यावरण की सुरक्षा हेतु वृक्षारोपण करना चाहिए तथा जिस प्रकार हम अपने बच्चो को पालते ,पोसते एवं सुरक्षित करते है उसी प्रकार पौधों को रोपित कर उनकी भी देखभाल व सुरक्षा करनी चाहिए जिससे वे विकसित हो सके । डॉ विभा कुमारी मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने उपस्थित परिवार जनों को प्रेरित किया कि वे अपने सामर्थ्य एवं स्थान की उपलब्धता के अनुसार पौधे प्राप्त कर उन्हें रोपित कर सकते हैं। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ आशा राम , फाइलेरिया नियंत्रण अधिकारी डी के श्रीवास्तव ने भी परिवार जनों को पौधे वितरित किए। वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज ,मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय परिसर, जिला चिकित्सालय,जिला महिला चिकित्सालय,श्रीराम चिकित्सालय,100 शैय्या चिकित्सालय कुमारगंज, ,संक्रामक रोग चिकित्सालय परिसर सहित समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों , प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं अन्य इकाइयों मे वृक्षारोपण किया गया।

वृक्षारोपण के अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय जैन,अपर मु .चि.अ. डॉ पुष्पेंद्र कुमार,उप मु .चि.अ.डॉ दीपक पाण्डेय,डॉ वेद प्रकाश त्रिपाठी, डॉ राजेश चौधरी,जि. कु.अ.डॉ राम मणि शुक्ल, फाइलेरिया नियंत्रण अधिकारी डी के श्रीवास्तव ,जिला मलेरिया अधिकारी मंजुला आनंद, जि प्र अ बी के मिश्रा, डी एच ई आई ओ डी पी सिंह, ईपी.डॉ अरविंद श्रीवास्तव , डी पी एम,डी सी पी एम एवं अन्य कर्मचारीगणों ने पौधे रोपित कर इस महाअभियान ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित किया।

तय समय में ही अब बनाने होंगे बिजली फाल्ट, देरी पर 50 से 500 तक मुआवजा

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में अलग–अलग कारणों से घंटों गुल रहने वाली बिजली व्यवस्था को सुधारने के लिए प्रदेश में पहली बार मुआवजे की व्यवस्था शुरू होने जा रही है। इसकी शुरुआत कानपुर में केस्को से हो चुकी है। इसके लिए उपभोक्ताओं को हेल्पलाइन नंबर 1800 180 1912 या केस्को मुख्यालय में बने विद्युत उपभोक्ता सहायता केंद्र में शिकायत करनी होगी। मुआवजा राशि 50 रुपये से लेकर 500 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से रहेगी। इतना ही नहीं कॉल न उठाने, कनेक्शन, बिल संशोधन समेत अन्य कामों में देरी पर भी मुआवजे का प्रावधान रखा गया है। रकम मुआवजा कानून के अंतर्गत मिलेगी। केस्को की ओर से यह व्यवस्था उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के चेयरमैन अरविंद कुमार के निर्देश पर बेहतर बिजली आपूर्ति की दिशा में बनाई जा रही है। दरअसल, चेयरमैन और अन्य पदाधिकारी आठ जुलाई को टैरिफ वृद्धि की सुनवाई करने शहर आए थे। उनके सामने उपभोक्ताओं ने बिजली कनेक्शन, बिल, भार वृद्धि समेत कई तरह की समस्याएं रखी थीं, जिस पर उन्होंने कंज्यूमर ग्रीवांस रिर्डेसल फोरम (उपभोक्ता शिकायत

निवारण मंच) लागू करने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आयोग की ओर से विद्युत आपूर्तिकर्ता कंपनी के लिए स्टैंडर्ड ऑफ परफॉर्मेंस (एसओपी) का प्रावधान है। अगर उपभोक्ता को लगता है कि उसको निर्धारित सुविधा नहीं मिली है तो, वह मुआवजे का हकदार है। इसमें कई घंटे तक बिजली गुल होना या कनेक्शन और बिल संशोधन में देरी भी शामिल है।

केस्को की कंपनसेशन कमेटी करेगी मामलों की जांच

मुआवजा संबंधित जांच के लिए सुप्रिंटेंडेंट इंजीनियर–श्री डीपी सिंह और पीए टेक्निकल श्रीकांत रंगीला की कंपनसेशन कमेटी बनाई गई है, जो मामलों की जांच करेगी और अपनी रिपोर्ट केस्को एमडी को सौंपेगी। एमडी इस पर सुनवाई करेंगे। अगर 45 दिन से अधिक समय होने पर भी सुनवाई नहीं हुई, तो उपभोक्ता विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम में शिकायत कर सकेंगे।

सुनवाई न होने पर आयोग से शिकायत की जा सकेगी

इसमें केस्को निदेशक के अलावा अधिवक्ता, दो बिजली उपभोक्ता और एक प्रशासनिक स्तर के सेवानिवृत्त अधिकारी की पांच सदस्यीय कमेटी रहेगी। यहां भी सुनवाई न होने पर लोकपाल के पास मामला ले जाया जा सकता है। लोकपाल में विद्युत आपूर्ति कंपनी को भी जाने का अधिकार रहेगा। आयोग से शिकायत की जा सकेगी। विद्युत नियामक आयोग ने अभी कंज्यूमर ग्रीवांस रिर्डेसल फोरम को सभी विद्युत आपूर्ति कंपनियों को डिस्कॉम, जोन, सर्किल लेवल तक ही लागू करने की गाइडलाइन जारी की है।

घपले के 70 लाख जमा नहीं कराए तो होगी एफआईआर

बांदा, संवाददाता। बड़ोखर खुर्द ब्लॉक में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित महिला स्वयं सहायता समूह में करीब 70 लाख रुपये के घपले मामला सामने आया है। उपायुक्त ने ब्लॉक मिशन मैनेजर और ग्राम संगठन अध्यक्ष सहित 15 महिलाओं को नोटिस भेजकर दस दिन की मोहलत दी है। इस अवधि में राशि नहीं जमा की तो सभी के खिलाफ एफआईआर होगी। इनसे राजस्व की भांति वसूली की जाएगी। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत बड़ोखर खुर्द ब्लाक में करीब एक हजार से ज्यादा समूह गठित हैं। शासन की मंशा है कि गांवों की गरीब महिलाओं को समूह से जोड़कर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ा जाए। करीब 10–10 महिलाओं को एकजुट कर समूह गठित किए गए हैं। फिर करीब 15 समूहों को मिलाकर ग्राम संगठन बनाया गया है। बड़ोखर खुर्द ब्लाक में डिंगवाही गांव निवासी कमलेश कुमार ग्राम संगठन समूह की अध्यक्ष हैं। पिछले वर्ष ग्राम संगठन में सीएलएफ योजना के तहत धनराशि भेजी गई थी। ब्लाक मिशन मैनेजर आकांक्षा कुशवाहा ने ग्राम संगठन के खातों में पांच–पांच लाख रुपये भेजे, जो नियम विरुद्ध है। पैसे भेजने के बाद करीब 15 दिन में समूह की महिलाओं पर दबाव बनाकर उनके बैंकों के जरिए नकद पैसे निकला लिए गए। इसमें ग्राम संगठन अध्यक्ष कमलेश कुमारी और बीएमएम आकांक्षा कुशवाहा की अहम भूमिका रही।

इस तरह करीब 70 लाख रुपये निकाले गए। इसमें उन महिलाओं को भी दो से तीन हजार रुपये कमीशन दिया गया। बाकी का पैसा बीएमएम और ग्राम संगठन अध्यक्ष ने हजम कर लिया। खुद को फंसते देख बीएमएम आकांक्षा कुशवाहा ने नौकरी छोड़ दी। जब शिकायत उच्चाधिकारियों तक पहुंची तो अफरा–तफरी मच गई। सीडीओ के आदेश पर एनआरएलएम उपायुक्त भइयन लाल ने तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर मामले की जांच कराई।

संक्षिप्त खबरें

परीक्षा नियंत्रक विनोद कुमार सिंह ने कार्यभार संभाला

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विनोद कुमार सिंह ने परीक्षा नियंत्रक का कार्यभार शनिवार को ग्रहण किया। यह कार्यभार उन्होंने प्रभारी परीक्षा नियंत्रक अजीत सिंह से ग्रहण किया। श्री सिंह लखनऊ में कुलसचिव के रूप में अपनी सेवा देने के बाद पूर्वांचल विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक के पद पर शासन द्वारा नियुक्त किए गए है। उनकी यह नई जिम्मेदारी विश्वविद्यालय के परीक्षा तंत्र को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पूर्व मंत्री का नाती पहुंचा कोर्ट में समर्पण करने

आगरा, संवाददाता। आगरा दीवानी की कोर्ट स्पेशल सीजेएम में पूर्व मंत्री उदयभान सिंह का नाती दिव्यांश चौधरी समर्पण के लिए पहुंच गया है। न्यायालय के अंदर की कार्रवाई अभी चल रही है। पूर्व मंत्री उदयभान सिंह के नाती दिव्यांश चौधरी ने मंगलवार को आत्म समर्पण के लिए प्रार्थनापत्र दिया था। कोर्ट ने संबंधित थाने से आख्या मांगते हुए 19 जुलाई की तिथि नियत की थी। जिसके बाद दिव्यांश चौधरी आज कोर्ट पहुंचा।

ये है मामला

पूर्व मंत्री उदयभान सिंह का नाती इस मामले में काफी समय से फरार चल रहा है। अप्रैल में उसके विरुद्ध जयपुर हाउस के रहने वाले कारोबारी की बेटी ने जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज कराया है। आरोपी कार चढ़ाते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ था। इस मामले में सत्ताधारी दल के नेताओं के दबाव के कारण पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। पीड़िता के पक्ष में पंजाबी समाज के लामबंद होने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा तो दर्ज किया मगर गिरफ्तारी नहीं की। इसके बाद फरार आरोपी की कार बरामद कर ली। आरोपी ने मुकदमे को चुनौती देने के लिए हाईकोर्ट में याचिका पेश की, मगर उसे भी खारिज कर दिया गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कुर्की की प्राथमिक कार्रवाई शुरू कर दी थी।

प्रेम प्रसंग में युवक ने फंदा लगाकर दी जान

बांदा, संवाददाता। रिश्तेदार महिला से प्रेम संबंध में युवक ने निर्माणाधीन मकान में फंदा लगाकर जान दे दी। छोटी बहन सफाई करने गई तो उसे फंदे से लटका देखकर परिजनों को जानकारी दी। कमासिन थाना क्षेत्र के भदांव गांव निवासी सत्येंद्र यादव (20) ने बुधवार की रात घर के बगल स्थित निर्माणाधीन मकान में कूदकर टिन के नीचे लगे पाइप में सीढ़ी लगाकर साड़ी से फंदा लगा लिया। गुरुवार को सुबह जब छोटी बहन राजरानी मकान की सफाई के लिए गई तो दरवाजा खोलते ही भाई को फंदे से लटका देखकर चीख पड़ी। उसने मां गोमती को बताया। पिता रामबरन ने पुलिस को सूचना दी। पिता रामबरन ने बताया कि खाना खाने के बाद सत्येंद्र छत पर सोने गया था। दो भाइयों में बड़ा और अविवाहित था। उधर, चाचा शारदा ने बताया कि सत्येंद्र महाराष्ट्र के मुंबई में टायल्स का काम करता था। एक माह पूर्व अपने गांव आया था। उसका एक रिश्तेदार महिला से प्रेम प्रसंग था। इसी के चलते 10 दिन पहले उसने आपसी कहासुनी में अपना मोबाइल भी तोड़ दिया था। थानाध्यक्ष राजेश कुमार मौर्य ने बताया कि रिश्तेदार महिला से प्रेम प्रसंग की बात पुलिस को नहीं बताई है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

निजी अस्पताल में गर्भवती की मौत, चार घटे तक हंगामा

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में किदवईनगर इलाके के एक निजी अस्पताल में गुरुवार को इलाज के दौरान गर्भवती की मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। भड़की भीड़ को देखकर डॉक्टर व कर्मचारी मौके से भाग गए। मौके पर पहुंची किदवईनगर समेत कई थानों की फोर्स के समझाने पर चार घंटे बाद मामला शांत हो सका। बजरिया निवासी एकाउंटेंट अभिषेक निगम की पत्नी रिचा (33) करीब ढाई माह से गर्भवती थीं। उनका इलाज एक महिला डॉक्टर कर रहीं थीं। करीब एक सप्ताह पूर्व पत्नी की तबीयत बिगड़ने पर उन्होंने डॉक्टर से जांच कराई। बुधवार को उनके रतनलालनगर स्थित घर में गृह प्रवेश का कार्यक्रम था। गुरुवार सुबह करीब 10 बजे अचानक पत्नी की तबीयत बिगड़ गई। इस पर वह निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। आरोप है कि डॉक्टर ने बिना जांच किए गर्भपात होने की जानकारी देकर ऑपरेशन कराने को कहा। डॉक्टर ने अपने साकेतनगर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराने की बात कही और 25 हजार खर्च बताया। आरोप है कि ऑपरेशन के बाद डॉक्टर ने पत्नी से मिलने नहीं दिया। शाम करीब चार बजे हालत गंभीर होने के बात कहते हुए अस्पताल प्रबंधन ने हैलट रेफर कर दिया।

हंगामे के बाद पुलिस ने मामला शांत कराया

रिचा के भाई लवकुश ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन ने एंबुलेंस के लिए पांच हजार रुपये जमा कराए। अस्पताल से बाहर निकले तो एंबुलेंस चालक ने बहन की मौत की जानकारी दी। इस पर परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। करीब चार घंटे तक हंगामे के बाद पुलिस ने मामला शांत कराकर शव को पोस्टमार्टम भिजवाया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।